दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

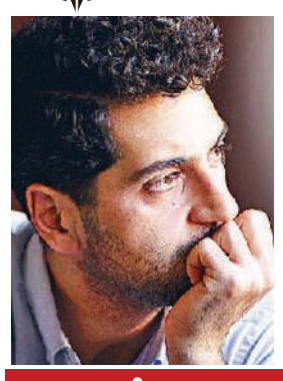

अमन लेखनी

दुनिया की भीड़ में क्यों.....

जीने के अंदाज में .....

वर्ष : 12 | अंक : 41 | लखनऊ, 02 फरवरी ,सोमवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

मणिपुर के 20 विधायकों की दिल्ली में मीटिंग

नई दिल्ली। मणिपुर के 20 से अधिक भाजपा विधायकों ने रविवार को राज्य इकाई के अध्यक्ष के साथ

इंफाल से नई दिल्ली के लिए उड़ान भरी। वे पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के साथ बड़ी बैठक में शामिल होंगे। मणिपुर भाजपा अध्यक्ष अधिराजमायुम शारदा देवी ने कहा कि सभी एनडीए विधायकों को बुलाया गया है। प्रदेश में एक लोकप्रिय सरकार का गठन होगा।

शेट्टी के घर के बाहर हुई फायरिंग, गिरफ्तार

मुंबई। यहां के जुहू इलाके में फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर के बाहर फायरिंग की घटना सामने

आई है। जिस समय यह फायरिंग हुई, उस वक्त शेट्टी घर के अंदर ही मौजूद थे। गनीमत रही कि फायरिंग में कोई घायल नहीं हुआ है। मुंबई पुलिस के वरिष्ठ सूत्रों के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि फायरिंग करने वाला आरोपी केवल एक ही था।

ट्रंप की पत्नी मेलानिया की फिल्म रही फ्लाप

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की पत्नी मेलानिया ट्रंप की डॉक्यूमेंट्री 'मेलानियाः 20 डेज

टू हिस्ट्री' शुक्रवार को रिलीज हुई। लेकिन ये डॉक्यूमेंट्री लोगों का दिल जीतने में कामयाब नहीं हुई। मेलानिया की डॉक्यूमेंट्री में जनवरी 2025 में डोनल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने से ठीक 20 दिन पहले की कहानी दिखाई गई है।

रांची के मां-बेटे की पुरी समुद्र में दर्दनाक मौत

रांची। ओडिशा के पुरी में छुट्टियां मनाने आए रांची के एक प्रतिष्ठित परिवार के लिए शनिवार काल

बनकर आया।चक्रतीर्थ रोड स्थित पिंक हाउस क्षेत्र में समुद्र स्नान के दौरान मां को डूबता देख उसे बचाने कूदा इकलौता बेटा भी लहरों की भेंट चढ़ गया। इस हृदयविदारक घटना ने जहां रांची के आरएसएस परिवार में शोक की लहर दौड़ा दी है।

विजया 2 मासूम बच्चों संग ट्रेन के आगे कूदी

हैदराबाद। यहां रविवार की सुबह दिल दहला देने वाली घटना हुई। चेरलापल्ली रेलवे स्टेशन के पास

38 साल की पी. विजया ने अपने दो मासूम बच्चों के साथ मालगाड़ी के आगे छलांग लगा दी। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना शनिवार रात करीब 12:40 बजे की है, जब सनतनगर जा रही मालगाड़ी ने उन्हें कुचल दिया। मामले की जांच की जा रही है।

बजट में भूटान, श्रीलंका व अफ्रीकी देशों को मदद के लिए राशि का ऐलान

बांग्लादेश के लिए सहायता में की कटौती, साथ ही चाबहार बंदरगाह पर आवंटन का कॉलम 'गायब'

पड़ोसी और अन्य सहयोगी देशों के लिए वित्तीय सहायता की घोषणा

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख/ नई दिल्ली,

पड़ोसी देशों के रिश्तों को परखा

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2026-27 के लिए बजट का ऐलान कर दिया है। इसमें भारत के पड़ोसी और अन्य सहयोगी देशों के लिए वित्तीय सहायता की भी घोषणा की गई है। भूटान से लेकर श्रीलंका और बांग्लादेश से लेकर अफ्रीकी देशों तक की मदद के लिए राशि का ऐलान किया गया है। हालांकि, बांग्लादेश के लिए सहायता राशि में कटौती की चर्चा है। पिछले कुछ समय से भारत के बांग्लादेश के रिश्ते कुछ ठीक नहीं रहे हैं। इस बजट में एक चौंकाने वाली बात यह रही कि चाबहार बंदरगाह के लिए सहयोग राशि वाली पंक्ति को 2026-27 के लिए खाली छोड़ा दिया गया। ऐसे में चाबहार बंदरगाह परियोजना में भारत की भूमिका को लेकर सवाल उठने लगे हैं। इसके लिए सरकार ने फिलहाल कोई राशि जारी नहीं की है। अटकलें ये भी लगाई जा रही हैं कि भारत इस परियोजना को फिलहार टंडे बस्ते में डाल दिया है। इस पर कोी बात नहीं की गई है।

चाबहार बंदरगाह परियोजना

इन देशों की मदद पिछले साल के मुकाबले परिवर्तित

लातिन अमेरिकी देशों के लिए आवंटन को दो गुना किया

मंगोलिया के बजट में 5 गुना वृद्धि देखी गई है। लातिन अमेरिकी देशों के लिए आवंटन को सीधे दोगुना कर दिया गया है। सरकार दक्षिण अमेरिका में अपने संबंधों को प्रगाढ़ करने पर जोर दे रही है। भूटान कोसहायता राशि में मूल्य के मामले में सबसे बड़ी वृद्धि (138.56 करोड़) हुई है, हालांकि प्रतिशत के लिहाज से यह 6.44% है। अफ्रीकी देशों (225 करोड़) और सेशेल्स (19 करोड़) के बजट में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

आपदा प्रबंधन के लिए भारत ने इस बार राशि में किया इजाफा

भारत ने विदेश में आपदा प्रबंधन के लिए सहायता के तौर पर 2025-26 के 64 करोड़ के मुकाबले 2026-27 में 80 करोड़ की राशि आवंटित की है। भारत ने बीते साल इस राशि के जरिए श्रीलंका की दित्वाह चक्रवात से निपटने में मदद की। म्यांमार और अफगानिस्तान की भूकंप के बाद हुई तबाही से निपटने में भी मदद की गई। सरकार ने इस राशि के जरिए कुछ देशों को राहत सामग्री भी पहुंचाई है।

बांग्लादेश, मालदीव और म्यांमार की मदद घटी

बांग्लादेश: प्रतिशत के मामले में सबसे बड़ी कटौती बांग्लादेश की सहायता राशि में की गई है, जिसे आधा (50 फीसदी) कर दिया गया है।

मालदीव और म्यांमार: इन दोनों देशों के बजट में 50-50 करोड़ रुपए की कमी की गई है।

विदेश की बाकी योजनाओं पर ऐसा रहा बजट

- केंद्र सरकार ने विदेश मंत्रालय से जुड़े सचिवालयों के लिए 761.21 करोड़ का बजट तय किया।
- दूतावासों-मिशन्स के लिए 5059.30 करोड़ तय किए गए।
- पासपोर्ट और आव्रजन व्यवस्था के लिए 2435.13 करोड़ आवंटित किए गए।
- विदेश में रह रही भारतीय महिलाओं के कल्याण की योजनाओं के लिए पांच करोड़ दिए गए।
- मंत्रालय के अन्य खर्चों के लिए 1265 करोड़ बजट में रखे गए हैं।

चाबहार बंदरगाह के लिए राशि आवंटित नहीं की

बीते दिनों में कई हलकों में यह भी चर्चा हुई कि भारत आने वाले समय में अमेरिका के दबाव में चाबहार बंदरगाह योजना से बाहर भी हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ समय पहले ही धमकी दी थी कि ईरान में जारी प्रदर्शनों के बीच धमकी दी थी कि उससे व्यापार करने वाले देशों पर 25 फीसदी के अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया जाएगा। भारत पर 50 फीसद टैरिफ लगाया जा चुका है। इसमें 25 फीसदी आयात शुल्क व्यापार के मसले पर, जबकि अतिरिक्त 25 फीसदी रूस से तेल खरीद को लेकर लागू है।

पीएम मोदी ने लुधियाना को दी सौगात

हलवारा एयरपोर्ट का लोकार्पण अगले माह से होगा संचालन

आदमपुर अब जाना जाएगा श्री गुरु रविदास एयरपोर्ट

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

कई वर्षों के इंतजार के बाद लुधियाना के लोगों को नया एयरपोर्ट मिल गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विवार को लुधियाना के हलवारा एयरपोर्ट का वर्चुअल तरीके से उद्घाटन कर शहर को बड़ी कनेक्टिविटी की सौगात दी है। इस एयरपोर्ट के शुरू होने से लुधियाना और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के बीच हवाई यात्रा अब और आसान हो जाएगी। मार्च से हलवारा एयरपोर्ट से घरेलू उड़ानों का संचालन शुरू किया जाएगा। शुरुआती चरण में लुधियाना से दिल्ली और दिल्ली से लुधियाना के बीच सप्ताह में पांच दिन एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट्स चलाई जाएंगी। एयरपोर्ट के चालू होने से न केवल यात्रियों को सुविधा मिलेगी, बल्कि उद्योग और व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इससे लुधियाना की देश के अन्य बड़े शहरों से हवाई संपर्क की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

संत निरंजन दास के पैर छुए

प्रधानमंत्रीरविदासिया समाज के जालंधर स्थित सबसे बड़े धार्मिक स्थल डेरा सचखंड बल्लां पहुंचे। पीएम मोदी ने यहां संत निरंजन दास के पैर छूकर आशीर्वाद लिया और उन्हें सम्मानित किया। इसी दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने आदमपुर एयरपोर्ट का नाम बदलकर श्री गुरु रविदास एयरपोर्ट कर दिया। इसके बाद पीएम मोदी ने इसके बाद लुधियाना के हलवारा स्थित इंटरनेशनल एयरपोर्ट का वर्चुअल उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने कहा कि गुरु रविदास जी ने समाज को एकजुट किया है। उन्होंने कहा कि हमारी भाजपा सरकार ने संत निरंजन दास को सम्मानित किया है।

मेरा रिश्ता 'काशी' से जुड़ा

उन्होंने पंजाबी में कहा कि मैं पंजाब की धरती को नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि मेरा रिश्ता गुरु रविदास जी की जन्मभूमि काशी से है। पीएम मोदी ने इस दौरान रविदास की वाणी से 3 श्लोक पढ़े। साथ ही काशी (वाराणसी), मध्यप्रदेश और पंजाब में संत रविदास की सेवा करने की बात दोहराई। उन्होंने कहा कि आदमपुर हवाई अड्डे का नाम श्री गुरु रविदास जी महाराज के नाम पर रखा गया है।

पत्रकारों से बातचीत में कहा-हमने पहले ही डील तय कर ली

भारत अब ईरान से नहीं, वेनेजुएला से खरीदेगा तेल, डील हो गई पक्की

अमेरिका राष्ट्रपति ट्रंप ने किया बड़ा दावा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत की तेल खरीद को लेकर बड़ा ऐलान किया है। ट्रंप ने कहा है कि भारत अब ईरान के बजाय वेनेजुएला से तेल खरीदेगा।

उन्होंने कहा कि भारत के साथ इस बारे में डील की गई है। एयरफोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि हमने पहले ही वह डील कर ली है। डील का कॉन्सेप्ट तय हो गया है। ट्रंप का बयान अमेरिका के नई दिल्ली को यह संकेत देने के एक दिन बाद आया है कि वह रूसी कच्चे तेल के कम आयात की भरपाई के लिए जल्द ही वेनेजुएला से तेल खरीदना फिर से शुरू कर सकता है।

खामेनेई की सबसे खतरनाक धमकी

हमला किया तो पूरे मिडिल ईस्ट में होगी क्रांति

ईरान-अमेरिका तनाव के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने रविवार को एक बड़ी चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा ईरान पर कोई भी सैन्य हमला मध्य पूर्व में 'क्षेत्रीय युद्ध' को जन्म देगा, जिससे पूरे क्षेत्र में बड़े पैमाने पर संघर्ष फैल सकता है। यह बयान तब सामने आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इस्लामी गणराज्य पर सैन्य हमले की धमकी दी है।

अमेरिका जान ले यह क्षेत्रीय युद्ध होगा

ईरानी सरकारी टेलीविजन ने खामेनेई के हवाले से बताया कि अमेरिकियों को यह पता होना चाहिए कि अगर वे युद्ध शुरू करते हैं, तो इस बार यह एक क्षेत्रीय युद्ध होगा। हम उकसाने वाले नहीं हैं और न ही हम किसी देश पर हमला करना चाहते हैं। लेकिन ईरानी राष्ट्र किसी भी ऐसे व्यक्ति को करारा जवाब देगा जो उस पर हमला करेगा या उसे परेशान करेगा।

एनसीबी के विलय पर असमंजस की स्थिति बरकरार

शरद पवार मुंबई पहुंचे तो बारामती लौट गईं डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार

शपथ ग्रहण पर राकांपा प्रमुख ने दिया स्पष्टीकरण

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के संभावित विलय को लेकर असमंजस की स्थिति है। इसी बीच, एनसीपी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार रविवार सुबह बारामती से मुंबई के लिए रवाना हो गए, जबकि नवनियुक्त उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार देर रात बारामती लौट आईं। शरद पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के चार दिन बाद मुंबई के लिए रवाना हुए। सुनेत्रा ने शनिवार को मुंबई में उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद पुणे जिले के बारामती स्थित अपने आवास लौट आईं।

शपथ ग्रहण पर मुझसे बात नहीं हुईः शरद

सुनेत्रा के शपथ ग्रहण को लेकर उन्होंने कहा कि इस बारे में मुझसे कोई चर्चा नहीं हुई। यह फैसला पार्टी ने स्वयं लिया होगा। प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे ने पहल की होगी और संभव है कि पार्टी के भीतर ही यह निर्णय लिया गया हो।

12 फरवरी को होने वाला था विलय

शरद ने शनिवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि अजित पवार ने 12 फरवरी को एनसीपी के दोनों गुटों के विलय की घोषणा करने की तारीख तय की थी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जायसवाल ने पाकिस्तान की खोली पोल

नाकामी छिपाने 92 बलूच विद्रोहियों को मारने का किया दावा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

पाकिस्तान बोला- 18 सैनिक मारे गए

- घर में आग और भारत पर भड़ास निकाल रहा पाक
- बलूचिस्तान में सैनिकों के ढेर होने पर बोला पाक

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में विद्रोहियों ने एक बार फिर से बड़ा हमला किया है। इन हमलों में 80 पाकिस्तानी सैनिक ढेर हुए हैं। वहीं पाकिस्तान ने दावा करते हुए कहा है कि उसके 18 सैनिक मारे गए हैं, जबकि 92 बलूच विद्रोही मारे गए हैं। पाक ने अपने घर में लगी आग के लिए भारत पर भड़ास निकाली है। चीन के हस्तक्षेप, सीपीईसी प्रोजेक्ट और ग्वादर बंदरगाह के लिए बड़े पैमाने पर बलूचिस्तान के संसाधनों का इस्तेमाल किया जा रहा है, लेकिन निवासियों की जिंदगी बदतर है। इसी के विरोध में बलूच विद्रोही संगठन अकसर पाकिस्तानी सेना, पंजाबी मूल के लोगों और यहां तक की चीनी नागरिकों पर भी निशाना साधते रहते हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस पर पाक की पोल खोल दी है।

इस बार बलूचों ने किया सबसे बड़ा अटैक

कई बार बलूच विद्रोही संगठनों ने खूनी हमले भी किए हैं। इस बार अब तक के सबसे बड़े हमलों में से एक अटैक किया है। पाकिस्तान इन हमलों की वजह तलाशने की बजाय भारत पर ही भड़ास निकाल रहा है। पाकिस्तानी सेना की प्रोपेगेंडा यूनिट आईएसपीआर ने इसके लिए भारत को जिम्मेदार बताने की कोशिश की है। उसने कहा कि ये हमले भारत से मदद पाने वाले फितना-अल-हिंदुस्तान नाम के संगठन ने किए हैं। ये हमले क्वेटा, मस्तंग, नुशकी, दलबंदीन, खारन, पंजगुर, ग्वादर और पसनी में हुए हैं। एक साथ ही कई शहरों पर बलूच विद्रोहियों ने हमले किए हैं। पाकिस्तान जैसे संगठन की बात कर रहा है, उसका कोई अस्तित्व ही नहीं है।

भारत ने पाक के आरोपों को सिरे से खारिज किया

बलूचिस्तान में हिंसा पर पाक ने भारत पर झूठे आरोप मढ़ने की कोशिश की थी। लेकिन रविवार को भारत ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। भारत ने कहा कि ये सभी आरोप बेबुनियाद हैं । विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम पाक द्वारा लगाए गए बेबुनियाद आरोपों को पूरी तरह से खारिज करते हैं, जो उसके अपने अंदरूनी नाकामियों से ध्यान भटकाने की उसकी सामान्य चाल के अलावा और कुछ नहीं है। जायसवाल ने कहा कि पाक को बेबुनियाद दावे करने की जगह अपने लोगों की मांग को पूरा करने पर ध्यान देना चाहिए। दरअसल पाक के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने भारत पर आरोप लगाया था।

बजट से पहले आमजन को झटका

कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में हो गया 49 रु. का इजाफा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्रीय बजट से ठीक पहले आम आदमी को महंगाई का एक और झटका लगा है। तेल विपणन कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडरों की कीमतों में इजाफा कर दिया है। 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में 49 रुपए की बढ़ोतरी की गई है, जो 1 फरवरी से लागू हो गई है। हालांकि, घरेलू उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात यह है कि 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई दरों के मुताबिक, दिल्ली में 19 किलो के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की खुदरा कीमत अब बढ़कर 1,740.50 रुपए हो गई है। इस बढ़ोतरी का सीधा असर होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। इससे लोगों के रसोई का बजट बिगड़ सकता है।

संक्षेप

हरौनी चौकी प्रभारी ने किया सराहनीय कार्य, चौकी परिसर में मंदिर का निर्माण

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ । बंथरा थाना क्षेत्र अंतर्गत हरौनी पुलिस चौकी पर चौकी प्रभारी द्वारा एक अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायक कार्य किया गया है। चौकी परिसर में मंदिर का निर्माण करवाकर उन्होंने आस्था और संस्कारों को बढ़ावा देने का कार्य किया है। मंदिर निर्माण से चौकी परिसर का वातावरण शांत, सकारात्मक और आध्यात्मिक हो गया है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि चौकी प्रभारी श्याम जी मिश्रा न केवल कानून व्यवस्था को लेकर सजग रहते हैं, बल्कि सामाजिक और धार्मिक भावनाओं का भी पूरा सम्मान करते हैं। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की खुले दिल से प्रशंसा की है और कहा है कि ऐसे कार्य पुलिस और जनता के बीच विश्वास और सौहार्द को और मजबूत करते हैं। चौकी प्रभारी का यह प्रयास निश्चित रूप से समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश है।

कंपनी के प्रोजेक्ट हेड ने कर्मचारी पर लगाया गोपनीय डेटा चोरी का आरोप

लखनऊ । कृष्णा नगर कोतवाली इलाके में संचालित एक निजी कंपनी के प्रोजेक्ट हेड ने कंपनी के कर्मचारी पर रिश्तेदार संग मिलकर गोपनीय डेटा की चोरी का आरोप लगाया है। कंपनी के प्रोजेक्ट हेड रजत कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि उनकी कंपनी कलर पेपर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड विभिन्न प्रकार के व्यवसाय करती है, जिनमें से एक ऑनलाइन ई-कमर्स पोर्टल के माध्यम से उत्पादों की बिक्री का व्यवसाय है। आरोप है कि कंपनी के कर्मचारी उन्नाव निवासी अजीत कुमार सिंह पुत्र अशोक कुमार यादव और मनीष कुमार यादव निवासी दिल्ली ने आपसी सांठगांठ कर कंपनी के गोपनीय डेटा, जानकारी और क्लाइंट विवरण की चोरी की है। उन्होंने बताया कि अजीत कुमार सिंह ने अपने रिश्तेदार मनीष कुमार यादव के साथ मिलकर पात्म शिवा नामक फर्म बनाकर कंपनी के डेटा का उपयोग कर व्यापार किया है, जिससे कंपनी को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

केंद्रीय बजट 2026 से सहकारी क्षेत्र को नई दिशा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगा संबल – डॉ. प्रवीण सिंह जादौन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026 को सहकारी आंदोलन और ग्रामीण भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ के निदेशक डॉ. प्रवीण सिंह जादौन ने कहा कि यह बजट किसानों, ग्रामीण उद्यमियों और सहकारी संस्थाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है।

डॉ. जादौन ने कहा कि बजट में सहकारी समितियों के लिए कर कटौती के दायरे का विस्तार किया जाना स्वागतयोग्य कदम है। अब दूध, तिलहन, फल एवं सब्जी की आपूर्ति करने वाली समितियों के साथ-साथ पशु चारा और कपास बीज की आपूर्ति से जुड़ी सहकारी संस्थाओं को भी कर राहत के अंतर्गत शामिल किया गया है। इससे प्रदेश की हजारों सहकारी समितियों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा और उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।

उन्होंने कहा कि नई कर व्यवस्था के तहत अंतर-सहकारी समितियों को लाभांश आय पर कर कटौती की अनुमति देना एक ऐतिहासिक निर्णय है। इससे सहकारी समितियों के सदस्यों के बीच आय के पारदर्शी और न्यायसंगत पुनर्वितरण को बढ़ावा मिलेगा, जो सहकारिता की मूल भावना के अनुरूप है।

डॉ. प्रवीण सिंह जादौन ने निवेश प्रोत्साहन से जुड़े प्रावधानों की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सहकारी संघ के माध्यम से 31 जनवरी 2026 तक कंपनियों में किए गए निवेश पर प्राप्त लाभांश आय को तीन वर्षों तक कर छूट देना सहकारी संस्थाओं को दीर्घकालिक निवेश के लिए प्रेरित करेगा। इससे न केवल सहकारी संस्थाओं की आय बढ़ेगी, बल्कि वे आधुनिक तकनीक और अधोसंरचना में निवेश कर सकेंगी।

उन्होंने कहा कि बजट 2026 में कृषि और ग्रामीण विकास को विशेष प्राथमिकता दी गई है। प्राथमिक सहकारी समितियों और किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर सरकार का फोकस स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। इससे गांवों में भंडारण, प्रसंस्करण, विपणन और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

डॉ. जादौन ने कहा कि सहकारी क्षेत्र को सशक्त बनाकर सरकार ने किसानों को बाजार से सीधे जोड़ने और बिचौलियों की भूमिका को कम करने की दिशा में सार्थक प्रयास किया है। इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को स्थायित्व मिलेगा।

अंत में उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2026 विकसित भारत के संकल्प को मजबूत आधार प्रदान करता है। सहकारी संस्थाओं को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाकर यह बजट न केवल ग्रामीण भारत को गति देगा, बल्कि सामाजिक और आर्थिक समावेशन को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

मचौरा देवी मंदिर पर महायज्ञ के समापन पर हुआ विशाल भंडारे का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मलिहाबाद क्षेत्र के ग्राम खड़ौहां गांव में स्थित प्रसिद्ध मचौरा देवी मंदिर पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मानस महायज्ञ एवं विशाल भंडारे का भव्य आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ। बीते 26 जनवरी से प्रारंभ हुआ सात दिवसीय मानस महायज्ञ श्री श्री 108 महंत भोला दास जी के पावन नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित किया।

महायज्ञ के दौरान श्रद्धालुओं को श्रीराम कथा का भावपूर्ण रसपान कराया गया। कथा प्रवचन हेतु श्री श्री 108 श्री गोविंदाचार्य महाराज जी के साथ रामू दास जी, जीतू सिंह सरस, चंदन, राकेश व्यास, अमरीश दीक्षित, उपेंद्र दास महाराज, रामेंद्र दास सहित अनेक प्रसिद्ध कथावाचकों का आगमन हुआ। सभी कथावाचकों ने अपने-अपने प्रवचनों में भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन, मयार्दा, सत्य और भक्ति के संदेशों का सुंदर वर्णन किया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।

महायज्ञ एवं श्रीराम कथा के समापन के उपरांत रविवार की शाम से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारा देर शाम तक चलता रहा, जिसमें आसपास के गांवों के साथ-साथ दूर-दराज से आए हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन के दौरान मंदिर परिसर भक्ति, सेवा और अनुशासन के वातावरण से सराबोर रहा।

कार्यक्रम को सफल बनाने में मंदिर समिति, ग्रामीणों और स्वयंसेवकों का विशेष योगदान रहा। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं, कथावाचकों एवं सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार धार्मिक आयोजनों को निरंतर जारी रखने की बात कही।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने वाला युवक गिरफ्तार, बालिका सकुशल बरामद

अमन लेखनी समाचार

आरोपी सुभाष फोटो

लखनऊ। रहीमाबाद पुलिस ने नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर शादी की नीयत से भगाने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने पीड़िता को सकुशल बरामद कर लिया है।

इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि 29 जनवरी 2026 को थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक ने थाने में तहरीर देकर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि उसकी करीब 15 वर्षीय नाबालिग बहन को एक युवक प्रेम जाल में फंसाकर शादी करने की नीयत से भगा ले गया है। तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर 31 जनवरी, शनिवार की शाम अहमदाबाद कटौली बस स्टैंड से नाबालिग बालिका को सकुशल बरामद कर लिया। मौके से अभियुक्त सुभाष यादव (19 वर्ष) निवासी ग्राम गॉगन, थाना माल, जनपद लखनऊ को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार अभियुक्त नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर शादी की नीयत से अपने साथ ले गया था। बरामदगी व गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त को रविवार को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

गौरव सेनानी कल्याण संस्थान तेलीबाग में हुई पूर्व सैनिकों की गोष्ठी और तहरी भोज का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। रविवार को सेंट मारग्रेट स्कूल बंगाली टोला तेलीबाग लखनऊ में गौरव सेनानी कल्याण संस्थान लखनऊ के तत्वावधान में पूर्व सैनिकों की गोष्ठी, उपरान्त तहरी भोज का भव्य आयोजन किया गया। आयोजन का शुभारंभ मुख्य अतिथि, कर्नल शत्रुघ्न सिंह (रिटायर्ड), द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि कर्नल शत्रुघ्न सिंह ने उपस्थित पूर्व सैनिकों से अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की अपील की, विशिष्ट अतिथि मेजर नितिन शर्मा (रिटायर्ड), ने पूर्व सैनिकों से समाज में समरसता बनाए रखने की अपील की। मेजर नितिन शर्मा, (रिटायर्ड) ने कहा कि अनुशासन सैनिक का धर्म है, हमें अपने बच्चों को भी अनुशासन की सीख देनी चाहिए, आप की जिम्मेदारी अभी खत्म नहीं हुई है, आप सभी एक सुन्दर भारत के निर्माण में सहयोग करते रहें। संस्थान के अध्यक्ष इन्द्र जीत वर्मा, ने कहा नए पेंशन आने वाले सैनिक सतर्क रहें, ठगने के लिए लोग नजरें गड़ाए बैठे हैं। महा सचिव अनुपम तिवारी अपने विचार व्यक्त किए, तथा मजबूत समाज के लिए सभी सम्मानित पूर्व सैनिक सदस्यों, असैनिक सदस्यों, वीर नारी, नारी शक्ति एवं अभिभावकों से समाज को अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया। नायब सूबेदार दिनेश त्रिवेदी ने बांसुरी बजाकर लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया। वहीं श्री ओम शुक्ला ने वीर रस की कविताएं सुनकर सैनिकों में जोश भर दिया। मुख्य अतिथि द्वारा वीर नारियों को शाल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संरक्षक आर के शुक्ला, गोपाल जार्ज, संस्था के अध्यक्ष सूबेदार मेजर इन्द्र जीत वर्मा, महा सचिव जे डब्लयू ओ अनुपम तिवारी, ,लेफ्टिनेंट भीम शंकर मिश्रा, कैप्टेन भानु प्रताप, लेफ्टिनेंट सुनील, सूबेदार विजय वर्मा, सूबेदार राम शरण, सूबेदार एल बी सिंह, सूबेदार ब्रजेश पांडेय, कैप्टेन गिरधारी सिंह, शेर सिंह, पूर्व सैनिक, वीर नारी उनके आश्रित सहित सैकड़ों गणमान्य लोग और पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

धूमधाम से संत रविदास जयंती मनाई गई

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। माल के अकबरपुर गांव में रविवार को संत शिरोमणि गुरु रविदास की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन संत शिरोमणि रविदास चेतना समिति के अध्यक्ष रामदयाल भारती के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में शामिल नरेंद्र कुमार गौतम ने संत रविदास के जीवन, संघर्ष और विचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संत रविदास का जन्म वाराणसी में माघ पूर्णिमा के दिन हुआ था और उन्होंने अपने उपदेशों के माध्यम से समाज को नई दिशा दी। नरेंद्र कुमार गौतम ने कहा कि संत रविदास ने पाखंड, आडंबर और सामाजिक कुरीतियों का विरोध करते हुए मानवता, समानता और कर्म की प्रधानता पर बल दिया। उन्होंने जातिवाद, भेदभाव और छुआछूत जैसी बुराइयों के खिलाफ खुलकर आवाज उठाई और समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया। कार्यक्रम में डॉ. उमेश कुमार, भारत, रामासरे, जयराम, रामचंद्र, भगवानदीन, गुरुचरण, अजय चौधरी, गौरव सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में संत रविदास के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया गया।

तेज रफ्तार ट्रक कोहरे की वजह से आगे खड़े ट्रक से टकराया, चालक घायल

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनी नगर में रविवार तड़के कोहरे की वजह से तेज रफ्तार ट्रक आगे खड़े ट्रक में जा घुसा। इस घटना में ट्रक का चालक बुरी तरह अपने ट्रक की केबिन में फंसकर घायल हो गया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस और सरोजनी नगर फायर स्टेशन की टीम ने किसी तरह केबिन काटकर उसे बाहर निकाला और लोक बंधु अस्पताल पहुंचाया। जहां उसका इलाज जारी है। फायर कर्मियों के मुताबिक इटावा जिले के ऊसराहार निवासी ट्रक चालक दीपक (28) कन्नौज के तालग्राम में रहने वाले क्लीनर विकास के साथ रविवार तड़के अपना ट्रक लेकर कानपुर की ओर जा रहा था। तभी तड़के करीब 3:45 बजे सरोजनी नगर के दरोगा खेड़ा में कोहरे की वजह से कानपुर रोड किनारे खड़े ट्रक को देख नहीं पाया और तेज रफ्तार में वह अपना ट्रक लेकर उसमें पीछे से जा भिड़ा। इस हादसे में विकास तो बाल बाल बच गया, लेकिन ट्रक चालक दीपक अपनी गाड़ी के केबिन में फंसकर बुरी तरह घायल हो गया। राहगीरों ने आनन-फानन इसकी सूचना पुलिस और फायर कंट्रोल रूम को दी। सूचना के बाद सरोजनी नगर फायर स्टेशन से एफएसओ धर्मपाल सिंह के नेतृत्व में पहुंची दमकल टीम ने ट्रक चालक दीपक को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इसके बाद आनन फानन हजरतगंज से मल्टी डिजास्टर रिस्क वैन (एमडीआरवी) मंगाई। तब काफी देर तक रेस्क्यू करने के बाद केबिन काटकर गंभीर हालत में घायल दीपक को बाहर निकाला गया। इसके बाद एंबुलेंस बुलाकर दीपक को लोक बंधु अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उसका इलाज जारी है। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

कांग्रेस पार्टी की ओर से संविधान संवाद महापंचायत का भव्य आयोजन

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनी नगर के नटकुर स्थित मैदान पर रविवार को कांग्रेस पार्टी की ओर से संविधान संवाद महापंचायत का भव्य आयोजन किया गया। कांग्रेस जिला अध्यक्ष रुद्र दमन सिंह बबलू द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोग उमड़े और कांग्रेस नेताओं के विचार सुने। महापंचायत में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने केंद्र और प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए किसानों, मजदूरों और आम जनता के हितों की अनदेखी का आरोप लगाया। सभा को संबोधित करते हुए अजय राय ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार लखनऊ एयरपोर्ट के आसपास के गांवों की जमीन उद्योगपति गौतम अडानी को दे रही है, जिससे किसानों को बर्बाद किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश की जमीन गुजरात की कंपनियों को सौंपी जा रही है और इससे भविष्य में आम जनता का शोषण बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार अत्याचार और अन्याय की सरकार है, जो गरीबों और किसानों की आवाज दबा रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने सोनभद्र के मारकुंडी क्षेत्र का जिक्र करते हुए कहा कि वहां जबरन खदान खुदाई कराई जा रही है, जिसमें सात लोगों की दबकर मौत हो गई, लेकिन आज तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई। सभी आरोपी हाईकोर्ट से राहत लेकर बाहर घूम रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि माफिया भारतीय जनता पार्टी में विधायक और सांसद बनकर बैठे हैं। गरीब लोग मर गए, लेकिन न तो उन्हें मुआवजा मिला और न ही न्याय। खदान का मालिक फरार है और अब तक उसे जेल नहीं भेजा गया।

अजय राय ने कहा कि गुजरात की बड़ी-बड़ी कंपनियां पूरे देश को लूट रही हैं और उत्तर प्रदेश भी लूट जा रहा है। किसानों की जमीन जबरन ली जा रही है, लेकिन बदले में न रोजगार दिया जा रहा है और न ही विकास हो रहा है। उन्होंने स्कूटर इंडिया कंपनी का उदाहरण देते हुए कहा कि इसे अशोक लीलैंड को सौंप दिया गया, लेकिन स्थानीय युवाओं को नौकरी नहीं दी गई। एयरपोर्ट के आसपास के गांव उजाड़े जा रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस शासनकाल को याद करते हुए कहा कि उस समय चीनी मिलों, गन्ना मिलों और कारखानों के माध्यम से लोगों को रोजगार मिलता था। आज हालात यह हैं कि केवल लूट हो रही है। जमीनों पर कब्जा किया जा रहा है। बनारस सहित कई इलाकों में रोजाना जमीनों पर कब्जा बढ़ता जा रहा है। उन्होंने जनता से अपील की कि वह कांग्रेस को पूरी ताकत से मजबूत करे।

प्रदेश अध्यक्ष ने वर्तमान विधायक पर भी आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव के समय मोटरसाइकिल, गाड़ियां और मोबाइल बांटकर वोट लिया जाता है। उन्होंने कहा कि जनता ऐसे लोगों से सावधान रहे और वोट उसी को दे, जो जमीन से जुड़ा हो और जनता के सुख-दुख में साथ खड़ा रहे।

इस मौके पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष रुद्र दमन सिंह बबलू ने कहा कि स्कूटर इंडिया लिमिटेड की आधारशिला वर्ष 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने रखी थी, जिससे आसपास के गांवों के लोगों को रोजगार मिला। बगल में स्थित अपट्रान कंपनी में भी बड़ी संख्या में लोग कार्यरत थे। बाद में स्कूटर इंडिया को हिंदूजा ग्रुप को सौंप दिया गया और स्थानीय लोगों को रोजगार से वंचित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लखनऊ जिले में कोई भी सरकारी फैक्ट्री संचालित नहीं है। उन्होंने बढ़ती महंगाई पर भी चुटकी ली। कहा कि कांग्रेस के समय जो चांदी 70 - 80 हजार रुपये में थी, आज वह 4 लाख से ऊपर पहुंच गई है। जो सोना 28000 रुपये में था, आज वह पौने दो लाख रुपए में बिक रहा है। महापंचायत में कांग्रेस प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे, पूर्व जिला पंचायत सदस्य महीप सिंह, आरटीआई विभाग के प्रदेश अध्यक्ष पुष्पेंद्र श्रीवास्तव, शहर कांग्रेस कंट्रोल रूम प्रभारी सावंत श्रीवास्तव, शहर अध्यक्ष शहजाद आलम, बहराइच प्रभारी नरेंद्र गौतम सहित अनेक वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन अर्चना राठौर ने किया। महापंचायत में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, किसान और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में घर के अंदर मरणासन्न हालत में पड़ा मिला युवक, अस्पताल में मौत

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनी नगर में शुक्रवार शाम एक अविवाहित युवक संदिग्ध परिस्थितियों में घर के अंदर मरणासन्न हालत में पड़ा मिला। जानकारी होने के बाद परिजनों ने आनन फानन उसे ट्रामा सेंटर पहुंचाया। जहां रविवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक सरोजनी नगर के सत्यलोक कॉलोनी, बदाली खेड़ा निवासी राकेश वर्मा ट्रक चालक हैं और उनकी पत्नी ममता एक निजी अस्पताल में नौकरी करती हैं। उनका बड़ा बेटा सचिन वर्मा (27) ट्रांसपोर्ट नगर स्थित माइक्रो ऑटो इंडस्ट्रीज नामक कंपनी में ट्रक की बॉडी बनाने का काम करता था। शुक्रवार को राकेश अपने काम पर, जबकि उनकी पत्नी अस्पताल चली गई और दोनों छोटे बेटे भी अपने-अपने काम पर चले गए। शाम करीब 7 बजे जब ममता ड्यूटी से घर लौटी और सचिन के कमरे में गई तो सचिन वहां मरणासन हालत में पड़ा मिला। इस पर उन्होंने आनन फानन इसकी सूचना परिजनों को दी और सचिन को इलाज के लिए ट्रामा सेंटर पहुंचाया गया। जहां सचिन ने पूछताछ के दौरान अपने पिता को गुस्से में सल्फास खा लेने की बात बताई। लेकिन ट्रामा में इलाज के दौरान रविवार सुबह सचिन ने दम तोड़ दिया। बाद में सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि उसके पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला और उसने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। फिलहाल मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

भारत को आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान करने वाला बजट - अनिल दुबे

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ । राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे ने 2026-27 के बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह विकसित भारत का बजट है जो भारत को आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान करेगा ।

राष्ट्रीय महासचिव श्री दुबे ने कहा कि यह बजट किसान नारी शक्ति और नौजवानों को समर्पित बजट है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में यह बजट देश के प्रत्येक नागरिक को सशक्त बनाने तथा समाज के हर वर्ग के कल्याण को सुनिश्चित करने तथा देश की आर्थिक स्थिति की वृद्धि को नई गति प्रदान करेगा।

उन्होंने यह भी कहा यह बजट समाज के हर वर्ग विशेष कर अन्नदाताओं, नौजवानों, महिलाओं और शोषित वंचित उत्थान के लिए समर्पित है और किसानों की आय बढ़ाने तथा ग्रामीण बुनियाद को मजबूत करने का काम करेगा।

प्रेस क्लब सरोजनीनगर की ओर से वरिष्ठ पत्रकार के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। प्रेस क्लब सरोजनी नगर की ओर से रविवार को वरिष्ठ पत्रकार सुशील सिंह के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। लगभग तीन दशकों तक सरोजनी नगर क्षेत्र में सक्रिय पत्रकारिता करने वाले कर्मठ एवं जुझारू पत्रकार सुशील सिंह का निधन पत्रकारिता जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया गया। सभा में उपस्थित पत्रकारों और समाजसेवियों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। बताया गया कि सुशील सिंह पिछले तीन वर्षों से गंभीर बीमारियों से जूझ रहे थे। स्वास्थ्य खराब होने और सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अंतिम सांस तक पत्रकारिता का कार्य जारी रखा। वे समाज को जागरूक करने, आम जनमानस की आवाज को बुलंद करने और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए सदैव सक्रिय रहे। सुशील सिंह ने राजधानी के एक प्रतिष्ठित समाचार पत्र में लगभग 30 वर्षों तक कार्य करते हुए सरोजनी नगर क्षेत्र की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का काम किया। वे केवल एक साधारण पत्रकार नहीं, बल्कि अपार प्रतिभा के धनी थे। पत्रकारों के हितों और संरक्षण के उद्देश्य से उन्होंने प्रेस क्लब सरोजनी नगर की स्थापना की और कई वर्षों तक अध्यक्ष पद पर रहकर संगठन को मजबूत किया। श्रद्धांजलि सभा में प्रेस क्लब अध्यक्ष राज किशोर पासी, महामंत्री राकेश यादव, संगठन मंत्री मुकेश रावत, सचिव मिथलेश कुमार, कोषाध्यक्ष आसिफ खान, मीडिया प्रभारी पवन तिवारी, सह सचिव इन्द्रेश यादव, निवर्तमान उपाध्यक्ष प्रदीप यादव, निवर्तमान सचिव रामबाबू सोनी, सदस्य सुरेन्द्र यादव, विनय मिश्रा एवं अखिलेश द्विवेदी सहित अन्य पत्रकार मौजूद रहे। सभी ने दिवंगत पत्रकार के योगदान को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

संक्षेप

मार्ग दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत दो की हालत गंभीर

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। असोहा थाना क्षेत्र के गांव गया प्रसादखेड़ा मजरे समाधा निवासी 32 वर्षीय रामबाबू गौतम पुत्र सुंदर गांव के ही दो अन्य युवकों महावीर व सज्जन के साथ बाइक से शनिवार सुबह मजदूरी करने कालूखेड़ा गया था। जहां से देर शाम लगभग सात बजे वापस घर आ रहे थे ।तभी कालूखेड़ा - मझिगवां मार्ग पर समाधा मोड पर महादेव के नलकूप के पास बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पांच फीट गहरी खंती में जा घुसी ।जिससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए ।ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे परिजन तीनों को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र असोहा पहुंचे ।जहां सभी की हालत गंभीर होने पर डाक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। रविवार सुबह इलाज के दौरान रामबाबू की जिलाअस्पताल में मौत हो गई ।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है ।रामबाबू की मौत से पत्नी अंजू, मां सियादुलारी, बेटे यश व दिव्यांश बेहाल रहे। थाना प्रभारी फूल सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है ।तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

श्रद्धा और समरसता के साथ मनाई गई संत शिरोमणि रविदास जयंती

अमन लेखनी समाचार

पाटन, उन्नाव। विकास खंड सुमेरपुर अंतर्गत तौधकपुर गाँव में संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक एकता के भाव के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर संत रविदास के विचारों को स्मरण किया ।कार्यक्रम में पूर्व प्रधान आनंद कुमार बाजपेई, पूर्व प्रधानाध्यापक संकटा प्रसाद, प्रदीप कुमार, अमरेंद्र, नितिन, आशीष कुमार सविता, नीरज कुमार, मनोज, कुलदीप कुमार, वीरेंद्र भारती, निशांत गौतम, रविंद्र (छकउ), राजकुमार (छकउ), आर्यन, मोंटी, प्रिंस, अनुराग और रंजीत सहित अन्य ग्रामीणों की उपस्थिति रही ।कार्यक्रम की शुरूआत संत रविदास जी के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर की गई। वक्ताओं ने संत रविदास के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने समाज को समानता, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया। संत रविदास का सपना ऐसा समाज था, जहाँ कोई भेदभाव न हो और हर व्यक्ति सम्मान के साथ जीवन यापन कर सके ।इस अवसर पर भजन-कीर्तन और विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि आज के समय में संत रविदास के विचार समाज को जोड़ने का काम करते हैं और हमें उनके बताए मार्ग पर चलना चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने संत रविदास के आदर्शों को अपनाने और सामाजिक समरसता बनाए रखने का संकल्प लिया।

जनपद के 2709 विद्यालयों में रामपुर गढ़ौवा इंडिविजुअल्स गेम्स में रहा अव्वल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जीआईसी ग्राउंड में आयोजित दो दिवसीय जनपदीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक महोत्सव प्रतिभा, उत्साह और उपलब्धियों का ऐतिहासिक मंच बना, जहाँ छात्र-छात्राओं ने अनुशासन, ऊर्जा और खेल भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सिद्ध किया कि ग्रामीण अंचल की प्रतिभाएँ अवसर मिलने पर किसी से कम नहीं हैं। प्रशासनिक अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति ने बच्चों का उत्साह और बढ़ाया।

सबसे अधिक चर्चा और गर्व का केंद्र बनीं औरास क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय रामपुर गढ़ौवा की धाविका खुशी, जिन्होंने 100 मीटर, 400 मीटर और 600 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतकर व्यक्तिगत तिहरी स्वर्ण चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। 100 मीटर दौड़ के बाद जिलाधिकारी उन्नाव ने उन्हें स्वर्ण पदक पहनाकर हाथ मिलाया और उनकी निरंतर उपलब्धियों की सराहना की। 600 मीटर दौड़ सीडीओ उन्नाव की उपस्थिति में हुई, जहाँ जीत के बाद उन्होंने भी हाथ मिलाकर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। खुशी एक प्रतियोगिता में तीन स्वर्ण जीतने वाली जनपद की पहली खिलाड़ी बनीं। उपासना ने 200 मीटर दौड़ और हाई जंप में स्वर्ण पदक जीते तथा लंबी कूद में कांस्य पदक प्राप्त कर व्यक्तिगत चैंपियनशिप की दावेदारी मजबूत की। जूनियर वर्ग में समीर ने गोला फेंक में रजत पदक, मानसी ने कांस्य पदक जीता। 4100 मीटर रिले में औरास के खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक हासिल किया। अनुराग ने बालक जूनियर वर्ग की ऊँची कूद में रजत पदक जीता। इन उपलब्धियों के साथ 2709 विद्यालयों में रामपुर गढ़ौवा ने चौथी बार सर्वाधिक व्यक्तिगत मेडल जीतकर विशेष पहचान बनाई। शिक्षक प्रदीप वर्मा ने सफलता का श्रेय बच्चों की मेहनत, नियमित अभ्यास और टीम भावना को दिया। ओवर ऑल

चैंपियनशिप में बिछिया क्षेत्र ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि मियागंज उपविजेता रहा। बिछिया की इस सफलता में खेल शिक्षक विश्वजीत द्विवेदी की भूमिका सराहनीय रही। बीएसए शैलेश पांडे ने डीएम उन्नाव गौरांग राठी, सीडीओ उन्नाव कृति राज, डीआईओएस सुनील दत्त और डबल एओ, और जिलाध्यक्ष भाजपा और नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता मिश्र का स्वागत किया। संजीव संखवार, जिलाध्यक्ष पीएसपीएस, ने खुशी की उपलब्धि को प्रेरणादायी बताया। भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी व नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता मिश्र ने शुभकामनाएँ दीं। खेल प्रभारी मनिंद्र कुमार के नेतृत्व में प्रतियोगिताएँ सुव्यवस्थित रहीं। संचालन विश्वनाथ तिवारी ने किया। खेल शिक्षकों में निशा सिंह व अनीता वर्मा की भूमिका सराहनीय रही। बीईओ मुख्यालय संजय यादव, संजय शुक्ल, शुचि गुप्ता, जिला क्रीड़ा अधिकारी मुकेश सबरवाल एवं डायट उन्नाव प्रवक्ता ब्रजेश उपस्थित रहे। शिक्षक संगठन प्रतिनिधियों में संजीव संखवार, भरत चित्रांशी, सत्यदेव सिंह, अनुपम मिश्र, अमित तिवारी, शिव दर्शन, रामजन्म सिंह, गणेश गुप्ता, सूर्यकांत यादव, अविनाश तिवारी, सुधाकर, अजय सिंह उपस्थित रहे। खेल शिक्षकों व निर्णायकों में मनोज कुमार, रईसुल इस्लाम गौहर, कयाम, गोपी, गौरव, ब्रजेश सागर, अनीता, सोनू, गौरव यादव, सचिन मिश्र, प्रतीक्षा यादव, मोहिनी पटेल की भूमिका रही। शिक्षकों में विद्या सागर, इंद्रपाल, आशीष, सौरभ आशुतोष, विवेक, विनोद, शिखा मिश्र, मीनू जैसवार सहित अन्य मौजूद रहे।

बाइक व साईकिल की भिंडत बाइक सवार युवक की मौत दूसरा घायल

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के लंगरपुर चौराहा के समीप शनिवार देर शाम बाइक और साइकिल की जोरदार भिड़ंत हो गई। इस सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि साइकिल सवार की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ग्राम हिम्मतखेड़ा निवासी पवन (30) पुत्र बसंत शनिवार रात करीब सात बजे लंगरपुर गांव से अपना काम निपटाकर बाइक से घर लौट रहा था। जैसे ही वह लंगरपुर चौराहा के पास पहुंचा, तभी सामने से आ रही एक साइकिल से उसकी सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि पवन सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गया और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतक पवन के पिता बसंत के अजगैन कोतवाली क्षेत्र के

सिलबट्नखेड़ा गांव निवासी भांजे राजू की पत्नी का दस दिन पहले निधन हो गया था। शनिवार को दसवां के कार्यक्रम था। मृतक पवन यहां पिता को छोड़ने गया था। जब पिता को छोड़ कर वापस घर आने लगा तो वहां पर मौजूद सभी लोग पवन को रोक रहे थे कि आज मत जाओ। रविवार को सुबह चले जाना। लेकिन पवन जबरन वापस गांव के लिए निकल पड़ा था और हादसे का शिकार हो गया। मौत की खबर से उसकी पत्नी सुनीता, मा इंद्राणा, बेटी शिवानी, रेखा व बेटे गुलशन का रो रो रोकर बुरा हाल था, सब के सर से उठा पिता का साया। हादसे में साइकिल सवार महेश पुत्र बहादुर (45) निवासी लंगरपुर भी गंभीर रूप से चोटिल हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (उल्उ) पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने पवन को मृत घोषित कर दिया, जबकि महेश की नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। कोतवाल अमरनाथ यादव ने बताया कि मृतक के शव को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। अभी तक किसी भी पक्ष से तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलते ही मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के नवाबगंज हाइवे पर रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई। हादसा नवाबगंज कस्बे के पास राजमार्ग पर नहर मोड़ के निकट हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मृतक की शिनाख्त कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। सुबह करीब छः बजे युवक नवाबगंज हाइवे नहर पुल के निकट सड़क पार कर रहा था तभी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया और वाहन चालक फरार हो गया। घटनास्थल पर पहुंची एनएचएआई एंबुलेंस टीम ने

पुलिस को सूचना दी। नवाबगंज पुलिस चौकी प्रभारी मुकुल दुबे ने बताया कि मृतक मानसिक रूप से अस्वस्थ प्रतीत हो रहा था और उसे पिछले कई दिनों से राजमार्ग के आसपास घूमते देखा गया था। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। आसपास के थानों में भी सूचना प्रसारित की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

समाजसेवी की पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन किया अर्पित

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। समाज में बहुत कम लोग ही गुड्डू महराज जैसे होते हैं जो गरीबों, कमजोरों व पीड़ितों का दर्द खुद का समझकर उनकी मदद के लिए जुट जाते है। रविवार को ब्लाक केन्द्र असोहा में क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवी कार्यकर्ता गुड्डू महराज की प्रथम पुण्यतिथि पर लोगों ने उन्हें स्मरण करते हुए श्रृद्धा सुमन अर्पित किये। भाजपा के वरिष्ठ नेता संजय शुक्ला ने कहा कि गुड्डू महराज की सौम्यता, सरलता, बगैर अहंकार की छवि अपने आप में एक मिशाल थी गरीबो, पीड़ितों कमजोरो के साथ उनकी मदद और सेवा भाव के लिए वह हमेशा चल देते थे और बगैर लालच, लोभ स्वार्थ के सबके साथ खड़े रहते थे। आज की राजनीति में हम सबको उनकी शैली का अनुशरण करना चाहिए। भाजपा नेता संजय शुक्ला ने कहा कि गुड्डू महराज जिस प्रकार बगैर डरे, बगैर

पद प्रतिष्ठा की चिंता किये संघर्षकाल में पार्टी परिवार की मजबूती के लिए अपना सर्वस्व दांव पर लगा दिया था उसे कभी भूलाया नहीं जा सकता। एक समय था जब लोग पार्टी के झंडे को देखकर दूर भागते थे उस समय उन्होंने भाजपा को सशक्त बनाने का काम किया था। मुख्य रूप से पूर्व उपाध्यक्ष राजेश शुक्ला, पूर्व प्रधान संघ अध्यक्ष सोनू मिश्रा, सुनील सिंह, रामशंकर यादव, दीपू मिश्रा, जीतू सोनी, लक्ष्मी साहू, त्रिभुवन त्रिपाठी, प्रताप सविता, नीरज सिंह, मुकेश गौतम, पुतुन सविता, शिवनारायण विमल, अशोक बाजपेई, अनुज शुक्ला, अरूण शुक्ला, राजन लोधी, रजोल शर्मा, संतराम गोस्वामी, अरूण शर्मा, शिवाकांत, प्रताप सविता, रामबिलास यादव, बलालू रावत, श्रीप्रकाश शुक्ल, रोहित अवस्थी, प्यारेलाल रावत, भोरे लोधी, ताराशंकर, विकास राजपूत, प्रदीप कुमार साहू, अशोक कुमार सैकड़ों लोग मौजूद रहे। इस दौरान सभी ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए श्रृद्धा सुमन अर्पित किया।।

जनसंपर्क एवं कंबल वितरण का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। तहसील क्षेत्र में रविवार को युवा समाजसेवी अनुराग त्रिवेदी द्वारा गाँव चैनपुर में जनसंपर्क एवं कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत मवैया, चैनपुर, नरीखेड़ा, दूबेपुर, सरायमंगली एवं जालापुर के समस्त मजरों के नागरिकों से आत्मीय संवाद स्थापित किया गया। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रवासियों की समस्याओं, अपेक्षाओं एवं सुझावों को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा सामाजिक समरसता और मानवीय संवेदनाओं के प्रतीक स्वरूप कंबल वितरण किया गया। इस क्रम में ह्लअनुराग संकल्पह्व के उद्देश्यों, जनकल्याणकारी सोच एवं भावी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई, जिसे जनता का सकारात्मक समर्थन

प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से नवीन द्विवेदी, अर्जुन सिंह, राजू गौतम, रामशेवक पासी, कमल सिंह, नवल मिश्र, विमल प्रधान, गंगा प्रसाद, मुंडू काका, शिवरतन धोबी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

बेटी को मेडिकल कॉलेज में दाखिला दिलाने के नाम पर ठगो ने जेल अधीक्षक से ठगे 23 लाख

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मेडिकल कॉलेज में प्रवेश दिलाने के नाम पर 23 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। जिला कारागार उन्नाव के जेल अधीक्षक पंकज कुमार सिंह ने सदर कोतवाली में एक कथित कंसल्टेंसी संचालक और उसके साथियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने करीब 23 लाख रुपये की ठगी का आरोप लगाया है। तहरीर के अनुसार, पंकज कुमार सिंह ने अपनी बेटी के नीट काउंसलिंग के माध्यम से मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के लिए सहायता हेतु 'जस्ट डायल' के जरिए 'स्टडी पाथवे कंसल्टेंसी' के प्रोपराइटर अभिनव शर्मा से संपर्क किया था। अभियुक्त ने उन्हें बाराबंकी के सफेदाबाद स्थित हिंद मेडिकल कॉलेज में प्रवेश सुरक्षित कराने का आश्वासन दिया था। इस प्रवेश के एवज में, हिंद इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के नाम पर अलग-अलग तारीखों पर बड़ी धनराशि की मांग की गई। पीड़ित के मुताबिक, अभियुक्त के कहने पर दो बैंक ड्राफ्ट बनाए गए। पहला 10 लाख रुपए का ड्राफ्ट आईसीआईसीआई बैंक के खाते से 19 जुलाई 2025 को और दूसरा 10 लाख रुपए का ड्राफ्ट 18 जुलाई 2005 को पीड़ित की पत्नी के खाते से बनाया गया। इसके अलावा, 24 अक्टूबर 2025 को अभियुक्त द्वारा बताए गए कोटक महिंद्रा बैंक, विभव खंड, गोमती नगर, लखनऊ के खाते में और रुपये की राशि आरटीजीएस के माध्यम से एसबीआई बैंक उन्नाव स्थित पंकज कुमार सिंह के खाते से ट्रांसफर की गई। सभी भुगतान उन्नाव शहर से किए गए थे। कुछ समय बाद, जब पीड़ित ने अपनी बेटी के मेडिकल कॉलेज में प्रवेश की स्थिति जानने के लिए अभियुक्त से संपर्क किया, तो उनके मोबाइल नंबर बंद मिले। इसके बाद, पीड़ित लखनऊ स्थित अभियुक्त के कार्यालय, बी-3/10, विजयंत खंड, गोमती नगर के तीसरे तल पर पहुंचे, लेकिन कार्यालय भी बंद मिला। काफी खोजबीन के बाद, पीड़ित को जानकारी मिली कि अभियुक्त अभिनव शर्मा और संतोष कुमार एक संगठित गिरोह के सदस्य हैं। आरोप है कि यह गिरोह फर्जी बैंक खातों और फर्जी कार्यालयों के माध्यम से कई लोगों से लाखों रुपए की ठगी कर चुका है। पीड़ित का यह भी आरोप है कि उक्त अभियुक्तों के खिलाफ विभिन्न जनपदों में कई मुकदमे विचाराधीन हैं। इतना ही नहीं, घटना के बाद जस्ट डायल से भी अभियुक्तों से संबंधित सभी जानकारियां हटा दी गईं, जेल अधीक्षक पंकज कुमार सिंह ने सदर कोतवाली मे प्राथमिकी दर्ज कराई है।

किशोरी को भगाकर ले जाने वाला आरोपी युवक गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आसीवन पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर किशोरी को भगा ले जाने के वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पिता ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उसकी नाबालिग बेटी को मियागंज के मोहल्ला बगिया निवासी सुभाष पुत्र रज्जन धानुक बहला-फुसलाकर भगा ले गया है पुलिस ने मुकद्दमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी थी शनिवार पुलिस ने आरोपी को लखनऊ बांगरमऊ मार्ग पर स्थित गांव कादिरपुर तिराहे से नाबालिग के साथ हिरासत में ले लिया आसीवन थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि नाबालिग को मेडिकल परीक्षण के बाद कोर्ट में बयान

दर्ज कराने के लिए भेज दिया है आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसको जेल भेज दिया है।

पति-पत्नी के 24 विवादित जोड़ो की सकुशल की गयी विदाई

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जय प्रकाश सिंह वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी/दक्षिणी के कुशल पर्यवेक्षण में रिजर्व पुलिस लाइन एवं विभिन्न थानों में स्थित महिला हेल्प डेस्क में पति-पत्नी के विवादित जोड़ों को बुलाया गया। परिवार परामर्शदाताओं एवं महिला हेल्पडेस्क की टीम द्वारा उनकी काउंसलिंग करते हुए उनके बीच उपजे विवाद को खत्म कराया गया तथा परिवार को टूटने से बचाया। तदोपरान्त परिवार परामर्श केन्द्र से 06, महिला थाना से 08, थाना औरास -03, थाना सोहरामऊ व अचलगंज से 02- 02, थाना बांगरमऊ, थाना फतेहपुर चौरासी, थाना आसीवन से 01-01 जोड़े को बिना विवाद साथ रहने के वादे के साथ विदा किया गया। उपरोक्त पुनीत कार्य में प्रतीसार निरीक्षक सचिन रॉय, डब्लू सीएस ओ प्रभारी व मिशन शक्ति प्रभारी संतोष कुमारी सिंह, प्र0नि0 महिला थाना रेखा सिंह, डॉ0 आशीष श्रीवास्तव प्रभारी परिवार परामर्श समिति एवं सलाहकारों में शिल्पी श्रीवास्तव, राजेन्द्र सिंह सेंगर, डा0 एस.के. पाण्डेय, शशि रंजना अग्निहोत्री, साबिया उमर, डा0 मनीष सिंह सेंगर, डा0 अबसार अली, डा0 सगीर अहमद व सहियोगी शिवेन्द्र सिंह चौहान तथा अंकित रघुवंशी तथा पुलिस टीम में उप निरीक्षक मिथलेश वर्मा अजय यादव, महिला आरक्षीगण सेविका, नीतू सिंह, अलका यादव, शीलू, उपासना, महिला आरक्षी चिंतन सुहावना पूजा चौधरी, महिला आरक्षी राखी राघव तथा मुख्य आरक्षी संजेश का विशेष योगदान रहा।

माघ पूर्णिमा पर हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। माघ पूर्णिमा पर आज रविवार को क्षेत्र के विख्यात नानामऊ गंगा तट पर भीषण शीतलहर में भी हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने मां गंगा के जल से आचमन कर श्री सत्यनारायण व्रत कथा श्रवण की और अन्न एवं धन का दान किया। पुरातन काल से जहां श्रद्धालु कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान के लिए बिठूर घाट श्रद्धा का केंद्र रहा है, वहीं मांग पूर्णिमा पर स्नान, दान एवं पूजन हेतु क्षेत्र का नानामऊ गंगा घाट प्रसिद्ध रहा है। आज मांग पूर्णिमा पर यहां स्नान हेतु श्रद्धालुओं को भारी भीड़ उमड़ी। स्नानार्थियों ने गंगा की धारा में डुबकी लगाकर पंडों से श्री सत्यनारायण व्रत कथा श्रवण की और उन्हें अन्न और धन का दक्षिणा अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कानपुर,

हरदोई और लखनऊ आदि जिलों के दूरदराज से आए तमाम श्रद्धालुओं ने गंगा की रेती पर गोबर के कंडों की आग से चोखा-बाटी, खिचड़ी व तहरी पकाई और भगवान को भोग लगाने के बाद स्वयं ग्रहण किया। माघ पूर्णिमा पर यहां के गंगा तट पर विशाल मेला भी लगा। मेले में जहां महिलाओं ने प्रशासन सामग्री खरीदी, वहीं बच्चों ने चाट - पकौड़ा, लइया - खिलौना तथा फास्ट फूड का जमकर आनंद उठाया। तहसील प्रशासन द्वारा मेले की सुरक्षा हेतु कोतवाली स्थापित की गई। जहां से कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अखिलेश चंद्र पांडेय के नेतृत्व में पुलिस ने चप्पे-चप्पे पर नजर बनाए रखी। तहसील प्रशासन द्वारा मेले की व्यवस्था हेतु करीब एक दर्जन राजस्व कर्मियों को तैनात किया गया। खंड विकास अधिकारी अनिल कुमार सिंह द्वारा एक दिन पूर्व करीब डेढ़ दर्जन पंचायत सफाई कर्मियों को तैनात कर गंगा तट पर सफाई व्यवस्था चाक-चौबंद की गई।

भाजपा कार्यालय पर निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। स्थानीय भाजपा कार्यालय पर रविवार को विधायक बंबालाल दिवाकर के संयोजन में शंकरा आई हॉस्पिटल के सहयोग से निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 145 लोगों ने आंखों की जांच कराई, जिनमें से 90 चिन्हित मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों को ऑपरेशन के लिए बस से कानपुर के लिए रवाना किया गया। माह के प्रथम रविवार को लगने वाले नेत्र शिविर में शंकरा आई हॉस्पिटल चौबेपुर, कानपुर से आई नेत्र विशेषज्ञों की टीम ने दृष्टि विकार से पीड़ित 145 लोगों ने आंखों की जांच कराई। परीक्षण में 90 लोगों में मोतियाबिंद के लक्षण पाए गए ।सभी को बस द्वारा ऑपरेशन के लिए शंकरा हॉस्पिटल भेजा गया ।जबकि अन्य को जरूरी दवाइयां वो चश्मे वितरित किए गए ।विधायक बंबालाल दिवाकर की अनुपस्थित में माधव दिवाकर ने शिविर में मरीजों से मिलकर उनको मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी की ।शिविर के आयोजन में आशीष कनौजिया, राजू चौहान, दीपक विमल, संजय, पुष्पेंद्र आदि कार्यकताओं ने सहयोग कि

अनियंत्रित ट्रक पलटा चालक परिचालक बचे बाल बाल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर औरास थाना क्षेत्र लोधाटिकुर गाँव के पास रविवार भोर पहर पंजाब से बिहार प्रान्त जा रहा संतरा लदे ट्रक का पहिया फट जाने के कारण ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया हादसे में चालक व परिचालक बाल बाल बच गए एक्सप्रेस-वे पर संतरा बिखरने से काफी देर यातायात प्रभावित रहा गनीमत रही कि उस वक्त कोई दूसरा वाहन नही गुजरा नही तो बड़ा हादसा हो सकता था। सूचना पर पहुँचे यूपीडा कर्मियों ने मार्ग को साफ कराकर यातायात सुचारू रूप से चालू कराया। हरियाणा प्रांत के पलवल जनपद के बहिन थाना क्षेत्र रनियाला खुर्द गांव निवासी ट्रक चालक साजिद परिचालक फैसल के साथ पंजाब से ट्रक में संतरा लादकर आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे के रास्ते से बिहार प्रांत जा रहा था ।रविवार भोरपहर ट्रक चालक औरास थाना क्षेत्र के लोधा टीकुर गांव के सामने पहुंचा ही था कि ट्रक का अचानक टायर फट गया ।जिससे ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चालक व परिचालक बाल बाल बच गए ।ट्रक में लदा संतरा एक्सप्रेस वे पर बिखर गया ।जिससे यातायात काफी देर तक प्रभावित रहा ।सूचना पर पहुंचे यूपीडा कर्मियों ने मार्ग साफ कराकर यातायात सुचारू रूप चालू कराया।

महिला ने क्षेत्राधिकारी से लगाई न्याय की गुहार

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। तहसील क्षेत्र के ग्राम बरभीखेडा मजरे मिर्रीकला निवासिनी एक महिला ने क्षेत्राधिकारी को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि घटना बीते शुक्रवार शाम 7 बजे की है जब गांव के ही एक युवक आये दिन गन्दी गन्दी गालियां देता है और गन्दे इशारा भी करता है। परिवार में वह अपनी बूढ़ी सास व बच्चों संग रहती है ।इसके पहले भी इसने हमसे मारपीट की थी जिसमें हमारा हाथ टूट गया था लेकिन कोई कार्यवाही न होने से उसके हौसले बुलन्द हो गये है। क्षेत्राधिकारी ने मामले को गम्भीरता से लेते हुए तुरन्त मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया जिसके बाद कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर छानबीन में जुट गयी।

सम्पादकीय

शैक्षिक संस्थानों को जातीय भेदभाव से दूर रखा जाए

सुप्रीम कोर्ट द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों पर रोक लगाना केवल एक कानूनी हस्तक्षेप नहीं है, बल्कि यह शिक्षा व्यवस्था के मूल उद्देश्यों पर पुनर्विचार का भी संकेत है। शीर्ष अदालत ने सख्त नसीहत देते हुए साफ शब्दों में कहा कि शैक्षणिक संस्थानों को जातीय और भाषाई भेदभाव से दूर रखा जाना चाहिए, क्योंकि शिक्षा का उद्देश्य समाज को जोड़ना है, न कि उसे वर्गों में बांटना। यूजीसी द्वारा 13 जनवरी को अधिसूचित नए नियमों का उद्देश्य कथित तौर पर भेदभाव की शिकायतों से निपटना था, लेकिन देशभर में इसके विरोध ने यह सवाल खड़ा कर दिया कि क्या इन प्रावधानों से समस्या सुलझेगी या और जटिल होगी। सुप्रीम कोर्ट की बेंच जिसमें मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या शामिल थे, ने माना कि नियमों के प्रावधान स्पष्ट नहीं हैं और इनके दुरुपयोग की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसी आधार पर कोर्ट ने अगले आदेश तक इन पर रोक लगा दी और 2012 के पुराने नियमों को लागू रखने का निर्देश दिया। अदालत की सबसे महत्वपूर्ण टिप्पणी जातीय आधार पर समितियों के गठन को लेकर आई। कोर्ट ने चेताया कि शैक्षणिक संस्थानों में जातीय आधारित कमेटियां बनाना खतरनाक असर डाल सकता है। शिक्षा का माहौल ऐसा होना चाहिए, जहां छात्र अपनी पहचान के बजाय अपनी योग्यता और परिश्रम के आधार पर आगे बढ़ें। यदि संस्थानों के भीतर ही जातीय पहचान को औपचारिक रूप से रेखांकित किया जाएगा तो यह अनजाने में ही विभाजन और प्रतिस्पर्धा को जन्म दे सकता है। यह भी उल्लेखनीय है कि याचिकाकर्ताओं जिनमें मृत्युंजय तिवारी, एडवोकेट विनीत जिंदल और राहुल दीवान शामिल हैं, ने नए नियमों को जनरल कैटेगरी के छात्रों के प्रति भेदभावपूर्ण बताया। यह तर्क अपने आप में संवेदनशील है, क्योंकि भारत की आरक्षण नीति और सामाजिक न्याय की बहस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से जुड़ी है। सुप्रीम कोर्ट ने यह जरूर कहा कि शिक्षा का अधिकार सबका समान है और सवर्ण तथा गैर-सवर्ण जैसी श्रेणियों में छात्रों को बांटना शिक्षा के मूल भाव के खिलाफ है। अदालत ने भाषाई भेदभाव का मुद्दा भी उठाया, जो अक्सर शिक्षा व्यवस्था में अनदेखा रह जाता है। भारत जैसे बहुभाषी देश में भाषा के आधार पर भेदभाव की संभावना वास्तविक है। यदि शैक्षणिक संस्थानों में भाषा को भी पहचान और प्रभुत्व का औजार बना दिया जाए तो यह समान अवसर की अवधारणा को कमजोर कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है कि कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में एक-दूसरे पर हावी होने की रणनीति किसी भी दृष्टि से ठीक नहीं है। शिक्षा का उद्देश्य सामाजिक चेतना का विस्तार करना है, न कि समाज में पहले से मौजूद खाइयों को और गहरा करना। हालांकि, यह भी सच है कि जातीय भेदभाव की शिकायतें वास्तविक हैं और उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्रश्न यह नहीं है कि भेदभाव से कैसे निपटा जाए। यदि नियम अस्पष्ट होंगे या अत्यधिक पहचान-आधारित ढांचे पर टिके होंगे, तो वे समाधान से ज्यादा समस्या पैदा कर सकते हैं। इसी संतुलन की तलाश में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और यूजीसी को नया ड्राफ्ट तैयार करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप याद दिलाता है कि शिक्षा नीति केवल प्रशासनिक दस्तावेज नहीं, बल्कि समाज के भविष्य की दिशा तय करने वाला उपकरण है। ऐसे में इसका हर शब्द, हर प्रावधान, अत्यंत सोच-समझकर तय किया जाना चाहिए।

बजट
महेन्द्र तिवारी

उम्मीदों व यथार्थ के बीच संतुलन जरूरी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2026 को लगातार नौवां आम बजट पेश करने जा रही हैं। यह केवल एक औपचारिक आर्थिक दस्तावेज नहीं होगा, बल्कि उस दौर का आईना होगा जिसमें आम आदमी महंगाई, रोजगार, स्वास्थ्य और भविष्य की अनिश्चितताओं के बीच संतुलन खोज रहा है। यह अवसर ऐतिहासिक भी है, क्योंकि वह मोरार जी देसाई के दस बजटों के रिकॉर्ड के करीब पहुंच रही हैं। ऐसे समय में जब वैश्विक स्तर पर आर्थिक अस्थिरता बनी हुई है, विकसित देशों की मौद्रिक नीतियों का दबाव है, एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में सुस्ती दिख रही है और युद्धों के कारण आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित है, भारत का यह बजट केवल आंकड़ों का खेल नहीं बल्कि भरोसे का दस्तावेज होना चाहिए। पिछले कुछ वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था ने अपेक्षाकृत स्थिरता दिखाई है, लेकिन इसका सीधा लाभ हर घर तक समान रूप से नहीं पहुंच पाया है। मध्यम वर्ग, जो कर व्यवस्था की रीढ़ माना जाता है, आज सबसे अधिक अपेक्षाएं लगाए बैठा है। यह वर्ग केवल कर में छूट नहीं चाहता, बल्कि जीवन की बुनियादी जरूरतों में राहत चाहता है। वेतनभोगी परिवारों के लिए बढ़ती किस्तें, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य बीमा और मकान का सपना लगातार महंगा होता जा रहा है।

ऐसे में उम्मीद है कि कर कटौती की सीमा बढ़े, ताकि हाथ में बचने वाली आय से रोजमर्रा का जीवन थोड़ा आसान हो सके। केवल आयकर की दरों में बदलाव ही नहीं, बल्कि मकान ऋण पर मिलने वाली ब्याज छूट को बढ़ाने से लाखों परिवारों को सीधा लाभ मिल सकता है। आज शहरों में एक साधारण घर भी मध्यम वर्ग की पहुंच से दूर होता जा रहा है, ऐसे में सस्ते आवास को प्रोत्साहन देना सामाजिक स्थिरता के लिए भी जरूरी है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में आम आदमी की चिंता और भी गहरी है। बीमारी आज केवल शारीरिक संकट नहीं, बल्कि आर्थिक आपदा बन जाती है। निजी अस्पतालों की बढ़ती लागत और बीमा प्रीमियम ने मध्यम और निम्न आय वर्ग को डरा रखा है। यदि स्वास्थ्य बीमा पर कर में अधिक छूट मिले, वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष प्रावधान हों और सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का दायरा बढ़े तो यह बजट वास्तव में जीवन रक्षक साबित हो सकता है। आयुष आधारित उपचार, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की मजबूती और दवाओं की सस्ती उपलब्धता जैसे कदम आम परिवार के लिए राहत की सांस होंगे। ग्रामीण भारत और किसान इस देश की अर्थव्यवस्था की नींव हैं। आधी से अधिक आबादी आज भी खेती और उससे जुड़े कामों पर निर्भर है, लेकिन आय की अनिश्चितता और बढ़ती लागत ने किसान को असुरक्षित बना दिया है। किसानों को मिलने वाली प्रत्यक्ष सहायता राशि में वृद्धि, सस्ते ऋण की सीमा बढ़ाना और फसल बीमा को अधिक पारदर्शी तथा त्वरित बनाना समय की मांग है। सिंचाई परियोजनाओं में बड़े निवेश से न केवल कृषि उत्पादन बढ़ेगा, बल्कि गांवों में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। जब गांव मजबूत होंगे, तभी शहरों पर जनसंख्या का दबाव कम होगा और सामाजिक संतुलन बना रहेगा। लघु और मध्यम उद्योगों की भूमिका भी इस बजट में

> वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को लगातार नौवां आम बजट पेश करने जा रही हैं। यह केवल एक औपचारिक आर्थिक दस्तावेज नहीं होगा, बल्कि उस दौर का आईना होगा जिसमें आम आदमी महंगाई, रोजगार, स्वास्थ्य और भविष्य की अनिश्चितताओं के बीच संतुलन खोज रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था ने अपेक्षाकृत स्थिरता दिखाई है, लेकिन इसका सीधा लाभ हर घर तक समान रूप से नहीं पहुंच पाया है। मध्यम वर्ग, जो कर व्यवस्था की रीढ़ माना जाता है, आज सबसे अधिक अपेक्षाएं लगाए बैठा है। यदि इसमें उम्मीदों और यथार्थ के बीच संतुलन बना, तो यह केवल नौवां बजट नहीं, बल्कि विश्वास का दस्तावेज बन सकता है।

केंद्र में रहनी चाहिए। ये उद्योग लाखों लोगों को रोजगार देते हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देते हैं। आसान ऋण, सरल कर व्यवस्था और तकनीकी सहायता से ये इकाइयां आत्मनिर्भर बन सकती हैं। विशेष रूप से महिलाओं द्वारा संचालित उद्यमों को प्रोत्साहन देने से सामाजिक बदलाव भी आएगा।

गांव और कस्बों में यदि छोटे उद्योग फलते-फूलते हैं, तो पलायन रुकेगा और स्थानीय विकास को नई दिशा मिलेगी। महिलाएं और युवा किसी भी देश के भविष्य की असली पूंजी होते हैं। महिलाओं के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ाना केवल सामाजिक न्याय का प्रश्न नहीं, बल्कि आर्थिक प्रगति की भी शर्त है। स्वयं सहायता समूहों, महिला उद्यमियों और कौशल प्रशिक्षण योजनाओं को यदि मजबूत समर्थन मिले तो महिलाएं केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास की सहभागी बनेंगी। युवाओं के लिए रोजगार सृजन सबसे बड़ी चुनौती है। पढ़ाई पूरी करने के बाद भी नौकरी न मिलना आज लाखों युवाओं की हकीकत है। यदि बजट में प्रशिक्षु कार्यक्रम, नई नौकरियों के लिए प्रोत्साहन और नवाचार आधारित उद्यमों को सहायता मिले तो यह निराशा उम्मीद में बदल सकती है। शिक्षा पर निवेश लंबे समय का निवेश होता है। विद्यालयों से लेकर उच्च शिक्षा तक गुणवत्ता सुधारना आवश्यक है। व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा को समाज की मुख्यधारा में लाने से युवाओं को रोजगार योग्य बनाया जा सकता है। डिजिटल माध्यमों से दूरदराज के क्षेत्रों तक शिक्षा पहुंचाने से ग्रामीण और शहरी बच्चों के बीच की खाई कम होगी। जब शिक्षा सशक्त होगी, तभी जनसंख्या का लाभ वास्तविक आर्थिक शक्ति में बदलेगा। स्वास्थ्य और आधारभूत ढांचे पर खर्च किसी भी सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। अस्पताल, डॉक्टर, जांच सुविधाएं और चिकित्सा उपकरण यदि सुलभ होंगे तो जनता का भरोसा मजबूत होगा।

इसी तरह सड़क, रेल, हवाई संपर्क और ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश से न केवल रोजगार पैदा होते हैं, बल्कि पूरे देश की उत्पादकता बढ़ती है। स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण अनुकूल योजनाओं से आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य तैयार किया जा सकता है। जब घरों की छतों पर सौर ऊर्जा पहुंचेगी। इससे बिजली का खर्च घटेगा और प्रदूषण भी कम होगा। निर्मला सीतारमण के पिछले बजटों में नीति की निरंतरता दिखी है। बड़े सुधारों के साथ-साथ स्थिरता बनाए रखने की कोशिश रही है। इस बार भी उनसे यही अपेक्षा है कि वे विकास और जनकल्याण के बीच संतुलन साधें। आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य तभी सार्थक होगा, जब उसका असर आम आदमी की थाली, जेब और भविष्य की सुरक्षा पर दिखे। विदेशी निवेश, निर्यात और स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देना जरूरी है, लेकिन साथ ही यह भी ध्यान रखना होगा कि लाभ केवल चुनिंदा वर्गों तक सीमित न रह जाए। आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना तभी पूरी होगी, जब गांव का किसान, शहर का मजदूर, मध्यम वर्ग का कर्मचारी, महिला उद्यमी और पढ़ा-लिखा युवा सभी खुद को इस विकास यात्रा का हिस्सा महसूस करें। यह बजट केवल सरकार की मंशा का नहीं, बल्कि देश की दिशा का संकेत देगा। यदि इसमें उम्मीदों और यथार्थ के बीच संतुलन बना, तो यह केवल नौवां बजट नहीं, बल्कि विश्वास का दस्तावेज बन सकता है। आम आदमी आज चमत्कार नहीं, बल्कि ईमानदार कोशिश चाहता है। अगर यह कोशिश दिखाई दी तो 2047 के सपने की राह और भी स्पष्ट हो जाएगी।

दिवस विशेष

डॉ. मोनिका शर्मा

स्वदेशी सामानों के उपयोग के समर्थक थे महात्मा गांधी

समाज को सामाजिक-पारिवारिक और नैतिक रूप से मजबूत बनाने का संदेश देने के साथ ही महात्मा गांधी ने देश की आर्थिक सबलता को भी महत्वपूर्ण माना था। भारत को आत्मनिर्भर बनाने का भाव उनके विचारों का ही नहीं, व्यवहार का भी हिस्सा रहा। आर्थिक सबलता और आत्मनिर्भरता के इसी लक्ष्य को पाने के लिए उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के समय स्वदेशी सामानों को अपनाने का मंत्र दिया था। अपने देश में बने उत्पादों को प्राथमिकता देकर अर्थव्यवस्था को मजबूती देने का उनका यह विचार आज के दौर में और भी प्रासंगिक लगता है। वस्तुतः, 'स्वदेशी अपनाओ, विदेशी भगाओ' का नारा देते हुए गांधी जी रोजगार, स्वावलंबन और सांस्कृतिक विरासत को सहेजते हुए देश को सशक्त बनाना चाहते थे। गांधी ने स्वदेशी आंदोलन के माध्यम से समाज के हर वर्ग से विदेशी वस्तुओं का परित्याग कर देश में बने उत्पादों के उपयोग का आग्रह किया था। बदलती वैश्विक परिस्थितियों में आज स्वदेशी सामानों को अपनाने की इस राह पर चलने का संकल्प और जरूरी हो चला है। विकसित देशों की धमकियों और दबदबे से बाहर आने के लिए देशवासियों का देश में बने सामानों को समर्थन देना बहुत आवश्यक है। सुखद है कि बीते कुछ वर्षों से देश को आत्मनिर्भर बनाने वाली 'वोकल फॉर लोकल' की मुहिम बल भी पा रही है। प्रधानमंत्री मोदी कई अवसरों पर देशवासियों से स्वदेशी सामान खरीदने की अपील करते रहे हैं। खासकर त्योहारी मौसम में हर भारतीय से 'मेड इन इंडिया' उत्पादों का उपयोग बढ़ाने का आग्रह रहा है। कुछ समय पहले देशवासियों को लिखे एक खुले पत्र में प्रधानमंत्री ने लिखा था कि 'हर बार जब आप अपने देश के कारीगर, मजदूर और उद्योगों द्वारा बनाए गए सामान खरीदते हैं तो आप न सिर्फ रोजगार को बढ़ावा देते हैं बल्कि लाखों परिवारों की आजीविका भी सुरक्षित करते हैं। मैं दुकानदारों और व्यापारियों से अपील करता हूं कि वे 'मेड इन इंडिया' सामान ही बेचें और गर्व से कहें- जो खरीदेंगे वो स्वदेशी, जो बेचेंगे वो स्वदेशी। विचारणीय है कि स्वदेशी चीजों को अपनाना युवाओं का पलायन रोकने से लेकर महिलाओं को सशक्त बनाने तक, कई पक्षों से गहराई से जुड़ा है। यह हर तरह से भारत की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करने वाला भाव और झुकाव है। ज्ञात हो कि महिलाओं की एक बड़ी आबादी स्वदेशी उत्पाद बनाने वाले उपक्रमों से जुड़ी है। रोजगार हो या स्वरोजगार, देशी सामानों के उत्पादन से महिलाओं की बड़ी आबादी जुड़ी है। विशेषकर त्योहार मौसम में महिलाओं द्वारा निर्मित हस्तशिल्प, सजावटी सामग्री और खाद्य पदार्थों की बिक्री सीधे-सीधे महिलाओं को फायदा पहुंचाती है। ध्यातव्य है कि हर वर्ष त्योहारों की श्रृंखला का समय देश की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में यह रेखांकित करने योग्य है कि भारत की बेहतरी से जुड़े बदलाव के मोर्चे पर अब आमजन भी डटे दिखते हैं। अपने देश को मजबूत बनाने के लिए स्वदेशी सामानों की खरीद को प्राथमिकता दी जाने लगी है। जनमानस भारत में बनी चीजों को अपनाने के प्रति जागरूक हुआ है। अब त्योहारी मौसम में चीनी सामानों की बिक्री में भारी गिरावट के साथ 'मेड इन इंडिया' उत्पादों की लोकप्रियता का असर साफ नजर आता है। साल-दर-साल स्थानीय कारीगरों और भारतीय कंपनियों के उत्पादों को खरीदने में लोगों की रुचि बढ़ रही है। विदेशी सामानों के बजाय देश में बने उत्पादों प्राथमिकता देने से स्थानीय लोगों को तो फायदा हुआ ही देश की अर्थव्यवस्था को भी बल मिल रहा है। ऐसे में भारत की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और अर्थव्यवस्था को बल देने के मोर्चे पर बापू के विचार आज भी प्रासंगिक लगते हैं। निस्संदेह, महात्मा गांधी के स्वदेशी आंदोलन का मंत्र अपनाते हुए वैश्विक पटल पर मजबूत उपस्थिति दर्ज करवाई जा सकती है। आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार किया सकता है। आर्थिक सुधारों से जुड़ी इस मुहिम को देशवासियों की सरोकारी समझ का साथ मिलना सबसे जरूरी है। यह समझ संस्कृति को सहेजने और आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने वाली है।

निरंतर रूप से निखारती है आत्म-प्रतिस्पर्धा

संकलित
दर्शन

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में रहते हुए वह अनेक छोटे-बड़े लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहता है। समाज का अंग होते हुए, समाज में अपनी पहचान बनाना भी प्रत्येक व्यक्ति का एक उद्देश्य जैसा ही प्रतीत होता है। इन उद्देश्यों, लक्ष्यों व उपलब्धियों की प्राप्ति के लिए चल रहे अनवरत प्रयत्नों के फलस्वरूप एक सामाजिक प्रक्रिया जन्म लेती है। इस सामाजिक प्रक्रिया का नाम है-प्रतिस्पर्धा। यदि सरल शब्दों में कहा जाए तो बेहतर प्रदर्शन करने की तीव्र लालसा। यह लालसा एक अबोध शिशु से लेकर एक वृद्ध तक सभी में विद्यमान रहती है। वस्तुतः जब आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता पर्याप्त नहीं होती, तो प्रतिस्पर्धा स्वतः ही जन्म ले लेती है। प्रतिस्पर्धा में कदाचित विरोध व ईर्ष्या की भावनाएं भी अंतर्निहित होती हैं, किंतु ऐसी प्रतिस्पर्धा स्वस्थ नहीं कही जाती। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा वास्तव में उत्कृष्टता का मार्ग प्रशस्त करती है। प्रतिस्पर्धा की यही विशेषता इसे संघर्ष से अलग करती है। एक अन्य विशेष बात यह है कि प्रतिस्पर्धा किसी तंत्र विशेष तक ही सीमित रहती है। एक विशेष तरह की प्रतिस्पर्धा एक विशेष तंत्र में ही दृष्टिगोचर होती है। किसी व्यक्ति के साथ आपकी प्रतिस्पर्धा केवल तभी तक रहती है, जब तक आप उसके साथ किसी तंत्र को साझा करते हैं। किसी व्यक्ति द्वारा वह तंत्र छोड़ते ही प्रतिस्पर्धा स्वतः समाप्त हो जाती है। यह आवश्यक नहीं कि प्रतिस्पर्धा सदैव दूसरे व्यक्ति के साथ ही हो। विवेकशील या विद्वान व्यक्ति की प्रतिस्पर्धा प्रायः स्वयं से होती है।

शिव जी के अंशावतार हैं हनुमान जी

संकलित
प्रेरणा

शिव जी के 19 अवतारों में से एक अवतार है हनुमान। इसे शिव जी का अंशावतार माना जाता है। त्रेता युग में जब रावण का आतंक बढ़ गया, तब विष्णु जी राम अवतार लेने वाले थे। उस समय सभी देवताओं ने श्रीराम की सेवा और मदद करने के लिए अलग-अलग अवतार लिए थे। शिव जी ने श्रीराम के परमभक्त हनुमान जी के रूप में अवतार लिया था। जब श्रीराम अश्वमेध यज्ञ कर रहे थे। उनका यज्ञ घोड़ा घूमते-घूमते देवपुर नगर पहुंचा। उस नगर के राजा थे वीरमणि। वीरमणि शिव भक्त थे। राजा के पुत्र रुक्मांगद ने यज्ञ के घोड़े को बंदी बना लिया था। जब ये बात जब श्रीराम के भाई शत्रुघ्न को मालूम हुई तो उन्होंने देवपुर पर आक्रमण कर दिया। शत्रुघ्न और वीरमणि की सेना का युद्ध शुरू हुआ तो हनुमान जी भी वीरमणि की सेना खत्म करने लगे। राजा की हार होती देखकर शिव जी राजा की ओर से युद्ध करने लगे। युद्ध में जब शिव जी और हनुमान जी का सामना हुआ तो हनुमान जी ने उनसे पूछा कि आप तो राम भक्त हैं। फिर हमसे युद्ध क्यों कर रहे हैं। शिव जी ने कहा कि मैंने राजा वीरमणि को उसके राज्य की रक्षा करने का वचन दिया है इसलिए मुझे राजा की ओर से युद्ध करना पड़ रहा है, वह मेरा प्रिय भक्त है। शिव जी और हनुमान जी के बीच युद्ध हुआ, लेकिन जब शिव जी पराजित नहीं हुए तो उन्होंने श्रीराम का स्मरण किया। जब श्रीराम युद्ध में पहुंचे तो शिव जी राजा वीरमणि के साथ श्रीराम की शरण में चले गए। इस तरह ये युद्ध शांत हो गया।

झांकी

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस परेड में जम्मू और कश्मीर की झांकी ने देश भर में दूसरा स्थान हासिल किया है, जिसमें इस क्षेत्र की सदियों पुरानी कला, हस्तशिल्प और लोक परंपराओं का चित्रण किया गया।

आज की पाती

समाचार पत्रों का महत्त्व

हमारे देश में 29 जनवरी को, राष्ट्रीय समाचार पत्र दिवस मनाया जाता है। हमारे देश का पहला समाचार पत्र 29 जनवरी, वर्ष 1780 को प्रकाशित हुआ था। इसे हिक्कीज़ बंगाल गजट के नाम से जाना जाता था। राष्ट्रीय समाचार पत्र दिवस का मुख्य उद्देश्य समाचार पत्रों के महत्व और इसके उद्देश्य के प्रति जागरूकता और सम्मान देना भी है। आज न्यूज चैनलों की बाढ़ आ जाने के बावजूद हर कोई अखबार का इंतजार जरूर करता है। नेता हो, अभिनेता या फिर आमजन, हर कोई अखबार में ही खबर पढ़कर संतुष्ट होता है। देश की जनसंख्या का एक बहुत बड़ा हिस्सा समाचार पत्रों को अहमियत देता है। यह आमजन की मूलभूत समस्याओं को सत्ताधारियों तक पहुंचाने में भूमिका अदा करते हैं। स्वतंत्रता संग्रामों और आंदोलनों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए भी प्रेस ने मुख्य भूमिका निभाई थी। - कमलेश चतुर्वेदी, दुर्ग

ट्रेंड

स्वदेशी हथियार हाइटेक

ऑपरेशन सिंदूर ने दिखाया कि हमारे स्वदेशी हथियार कितने एडवांस और हाइटेक हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और रक्षा नवाचार आज हमारी फोर्सेस को और आधुनिक बना रहे हैं, जिससे हमारे युवा साथियों के लिए संभावनाओं का बहुत विस्तार हुआ है।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

कम्प्लीट टूरिस्ट डेस्टिनेशन

हर्ष का विषय है कि जोधपुर ने पर्यटन के क्षेत्र में नया इतिहास रचा है। वर्ष 2025 में रिकॉर्ड 38 लाख से अधिक पर्यटकों के आगमन ने सिद्ध कर दिया है कि जोधपुर अब विश्व का नया 'कम्प्लीट टूरिस्ट डेस्टिनेशन' बन चुका है।

- भजनलाल शर्मा, सीएम, राजस्थान

यूजीसी के नियम

सुप्रीम कोर्ट का यूजीसी के नए नियम पर रोक लगाने का फैसला उचित, जबकि देश में, इस मामले में सामाजिक तनाव आदि का वातावरण पैदा ही नहीं होता, अगर यूजीसी नए नियम को लागू करने से पहले सभी पक्ष को विश्वास में ले लेती।

-मायावती, पूर्व सीएम, उप्र

घुसपैठियों को संरक्षण

ममता बनर्जी के पास 15 सालों के शासन के बाद बताने के लिए अपनी उपलब्धियां तक नहीं है। और तो और, अब वो रोहिंग्याओं व बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण देने के अपने कुकृत्य पर भी पर्दा डालना चाह रही है।

-अनुराग ठाकुर, सांसद, भाजपा

करंट अफेयर

नेपाल के मुस्तांग में भारी बर्फबारी से ट्रेकिंग रोकी गई

नेपाल के मुस्तांग क्षेत्र में भारी बर्फबारी के कारण अधिक ऊंचाई वाले पांच मार्गों पर ट्रेकिंग को रोक दिया गया है। प्रशासन ने ट्रेकिंग करने वालों को इन पांच मार्गों का उपयोग नहीं करने की सलाह दी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बर्फबारी के बाद, लोकप्रिय पर्यटन स्थल मुस्तांग को मनांग से जोड़ने वाले सरिबुंग दर्रे, मेसो कुन्डो दर्रे, थोरोंग ला दर्रे, मुस्तांग को डोलपा से जोड़ने वाले यक्खरक मार्ग और म्यागदी और मुस्तांग को जोड़ने वाले धौलागिरी ट्रेकिंग मार्ग पर ट्रेकिंग रोक कर दी गई है। हर साल, हजारों लोग मुख्य रूप से मुक्तिनाथ मंदिर के दर्शन के लिए बर्फ से ढके पहाड़ों के पास स्थित मुस्तांग जिले में आते हैं।

ऑफ बीट

मांसपेशियों में व्यायाम के बाद हल्का दर्द क्यों होता है

जब हममें से कई लोग इस खराब मौसम से उबरने के लिए जिम जाते हैं या दौड़ने जाते हैं, तो उन्हें मांसपेशियों में थोड़ा अतिरिक्त दर्द महसूस हो सकता है। ऐसा खास तौर से तब होता है जब कसरत किए कुछ समय हो गया हो। एक आम ग़लतफ़हमी यह है कि ऐसा दर्द मांसपेशियों में लैक्टिक एसिड के निर्माण के कारण होता है। हालाँकि, शोध से पता चलता है कि लैक्टिक एसिड का इससे कोई लेना-देना नहीं है। सच्चाई कहीं अधिक दिलचस्प है, लेकिन थोड़ी अधिक जटिल भी है। यह लैक्टिक एसिड नहीं है। हम दशकों से जानते हैं कि लैक्टिक एसिड का व्यायाम के बाद मांसपेशियों में होने वाले दर्द से कोई लेना-देना नहीं है।

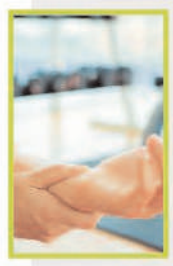

संक्षेप

एक भी कार्डियोलॉजिस्ट नहीं

हृदय रोगियों को लखनऊ जाना पड़ता, विभाग कर रहा पत्राचार

अमेठी , प्रदेश के स्वास्थ्य राज्यमंत्री के गृह जिले अमेठी में एक भी हृदय रोग विशेषज्ञ (कार्डियोलॉजिस्ट) तैनात नहीं है। इससे स्वास्थ्य सेवाओं पर गंभीर असर पड़ रहा है और हृदय रोगियों की जान हमेशा जोखिम में रहती है। विशेषज्ञ की अनुपस्थिति के कारण, आपात स्थिति में मरीजों को तत्काल स्थानीय इलाज नहीं मिल पाता। ऐसे में परिजनों को गंभीर हृदय रोगियों को इलाज के लिए लखनऊ ले जाना पड़ता है। जिले के अधिकारी इस समस्या को लेकर लगातार शासन से विशेषज्ञ की तैनाती की मांग कर रहे हैं। हार्ट अटैक के मामलों में शुरूआती एक घंटा 'गोल्डन आवर' माना जाता है, जो मरीज के जीवन के लिए महत्वपूर्ण होता है। अमेठी में कार्डियोलॉजिस्ट न होने से यह महत्वपूर्ण समय अक्सर निकल जाता है, जिससे मरीजों को तत्काल विशेषज्ञ परामर्श नहीं मिल पाता और इलाज में देरी होती है। अमेठी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. अंशुमान सिंह ने इस कमी को स्वीकार किया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जिले में कोई हृदय रोग विशेषज्ञ तैनात नहीं है। डॉ. सिंह के अनुसार, जब चेस्ट पेन या हार्ट अटैक का कोई मरीज आता है, तो उसकी ईसीजी और अन्य जांच रिपोर्ट ऑनलाइन माध्यम से लखनऊ के पीजीआई/मेडिकल कालेज के विशेषज्ञों को भेजी जाती है। वहां से प्राप्त निदेर्शों के आधार पर स्थानीय डॉक्टर जीवन रक्षक इंजेक्शन या दवाएं देते हैं, जिसके बाद मरीज को लखनऊ रेफर कर दिया जाता है। सीएमओ ने यह भी दोहराया कि विशेषज्ञ की तैनाती के लिए शासन से लगातार मांग की जा रही है।

स्टेडियम में दो शूटिंग रेंज तैयार

अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया गया, जल्द होगा संचालन

अमेठी , खेल प्रतिभाओं को निखारने और आधुनिक सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में दो अत्याधुनिक शूटिंग रेंज तैयार हो गई हैं, जिनका संचालन जल्द शुरू होगा। इन्हें पूरी तरह अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया गया है। इनमें 25 मीटर एयर पिस्टल और 10 मीटर एयर पिस्टल के लिए अलग-अलग रेंज शामिल हैं। 25 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग रेंज में पांच टारगेट लगाए गए हैं, जो अभ्यास और प्रतियोगिता दोनों के लिए उपयुक्त हैं। यह रेंज सभी आवश्यक मानकों को पूरा करती है स्टेडियम के दाहिनी ओर 10 मीटर एयर पिस्टल की आधुनिक इंडोर शूटिंग रेंज विकसित की गई है, जो तकनीकी रूप से अधिक उन्नत है। इसमें कुल 10 इलेक्ट्रॉनिक टारगेट लगाए गए हैं, जिन्हें निर्धारित दूरी और एंगल पर हरे रंग की बैकग्राउंड वाली दीवार पर स्थापित किया गया है। प्रत्येक टारगेट को नंबरिंग के साथ जोड़ा गया है, जिससे खिलाड़ियों की पहचान और स्कोरिंग में आसानी होगी। यह 10 मीटर शूटिंग रेंज पूरी तरह कंप्यूटरीकृत है। फायरिंग लाइन से टारगेट तक इलेक्ट्रॉनिक केबल और सेंसर सिस्टम के माध्यम से पूरा सेट-अप जुड़ा हुआ है।

स्वास्थ्य ही राष्ट्र की शक्ति है: डॉ सारिका साहू

गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा का छठा चरण 6 फरवरी से शुरू

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल/संतोष मिश्रा

बहराइच। नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 6.0 का शुभारंभ बहराइच जनपद में 6 फरवरी से होगा। स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से जनपद के 38 सीमावर्ती गांव में 6 एवं 7 फरवरी को चिकित्सा शिविर लगाकर मरीज का परीक्षण किया जाएगा तथा 8 फरवरी को किसान डिग्री कॉलेज परिसर में मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन होगा यह जानकारी नेशनल मेडिकोज आगेर्नाइजेशन की जिला अध्यक्ष डॉ सारिका साहू ने दी। उन्होंने बताया कि इस अभियान में केजीएमयू आरएमएल एसजीपीजीआई महाराजा सुहेलदेव मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञ चिकित्सक चिकित्सक अपनी सेवाएं देंगे।

उन्होंने बताया कि राष्ट्र की सीमाओं को सुरक्षित रखने वाले प्रहरी हो या वहां निवास करने वाले वनवासी बंधु उनका स्वास्थ्य ही राष्ट्र की शक्ति है इसी संकल्प के साथ नेशनल मेडिकोज ऑगेर्नाइजेशन एनएमओ और श्री गुरु गोरखनाथ सेवा न्यास विगत 5 वर्षों से दुर्गम क्षेत्रों में चिकित्सा की अलख जगह रहे हैं। इस वर्ष की सेवा यात्रा अपने छठे सोपान पर है यह यात्रा बहराइच जनपद के बनवासी क्षेत्र में आधुनिक चिकित्सा और सेवा के समर्पण को जोड़कर एक नया इतिहास रचने जा रही है। उन्होंने बताया कि महाराजा सुहेलदेव मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं शिक्षक एवं छात्रों का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है। स्वास्थ्य सेवा यात्रा के संयोजक धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि मिहींपुरवा विकासखंड के 22 सीमावर्ती गांव विशुनापुर अंबा, फकीरपुरी, बर्दियां, सलारपुर मुर्तियां, भगड़िया, गोपिया, जोगनिया, करमोहना, कांजीबाग, अयोध्या गांव, हरखापुर, रामपुरवा, सुजौली चहलवा चितलहवा, गौरापिपरा, सोगवा, पड़रिया, मटेरीकला, सोहनी बलाई गांव, मदारिया, धरमापुर में 6 व 7 फरवरी को चिकित्सा शिविर का आयोजन होगा। इसी क्रम में विकासखंड बाबागंज के बाबागंज में 6 फरवरी को मिहीपुरवा, गोकुलपुरवा, रामबख्शपूरवा, भगवानपुर करिंगा, जैतापुर,खैरनिया, रामपुर गंगापुर एवं 7 फरवरी को जमदान, सिरसिया, राजा गांव ,रामनगर गुलरिया, सामलगांव, बेलवरिया, माधवपुर रघुनाथ, इटहा मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि इस बार बीस हजार से अधिक मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण करने का लक्ष्य लिया गया है। दिनांक 8 फरवरी को किसान डिग्री कॉलेज परिसर में मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन होगा। गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य यात्रा के तहत बीस हजार से अधिक मरीजों को देखने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रेस वार्ता में गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा के मेजर डॉ एसपी सिंह ,डॉ विकास मिश्रा, डॉ बृजेश शुक्ला, डॉ दिव्येश बरनवाल, डॉ मनीष शुक्ला, डॉ रामेंद्र त्रिपाठी ,डॉ अमिताभ मिश्रा डॉ दिवाकर दत्त त्रिपाठी, डॉ उपेंद्र वर्मा, डॉ रामकुमार विभाग प्रचार प्रमुख अतुल गौड़, जिला प्रचार प्रमुख विपिन आदि उपस्थित रहे।

रुपईडीहा पत्रकार संघ और स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों के बीच मैत्री क्रिकेट मैच

पत्रकार संघ ने 5 रनों से जीता मुकाबला

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रुपईडीहा, बहराइच। सीमावर्ती कस्बा रुपईडीहा स्थित श्री रामजानकी इंटर कॉलेज के खेल मैदान में सीमा पर तैनात सुरक्षा एजेंसियों (एसएसबी, पुलिस एवं वन विभाग) की संयुक्त टीम और रुपईडीहा पत्रकार संघ के बीच एक मैत्री क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस रोमांचक प्रतियोगिता का आयोजन नगर पंचायत रुपईडीहा द्वारा किया गया, जिसमें 12-12 ओवरों का मैच खेला गया। मैच से पूर्व नगर पंचायत चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ. अश्विनी वैश्य द्वारा रुपईडीहा पत्रकार संघ के कप्तान एम. अरशद और सुरक्षा एजेंसियों की टीम के कप्तान वन क्षेत्राधिकारी रूपईडीहा अतुल श्रीवास्तव के बीच टॉस कराया गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए रुपईडीहा पत्रकार संघ की टीम ने शुभम गुप्ता के शानदार 40 रन और सूर्यांश के 24 रनों की मदद से निर्धारित 12 ओवरों में 98 रन बनाए और विपक्षी टीम को 99 रनों का लक्ष्य दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सुरक्षा एजेंसियों की टीम ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मुकाबले को बेहद रोमांचक बना दिया। अंतिम ओवर में मुकाबला बेहद करीबी स्थिति में पहुंच गया, लेकिन पत्रकार संघ के कप्तान एम. अरशद की घातक गेंदबाजी के सामने सुरक्षा एजेंसियों की टीम टिक नहीं सकी और निर्धारित 12 ओवरों में 93 रन ही बना सकी। इस प्रकार रुपईडीहा पत्रकार संघ ने यह मुकाबला 5 रनों से अपने नाम कर लिया। मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए शुभम गुप्ता को ह्यमैन ऑफ द मैचह्व घोषित किया गया। मैच समाप्ति के बाद नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ. उमाशंकर वैश्य द्वारा विजेता टीम के कप्तान एम. अरशद को ट्रॉफी प्रदान की गई। वहीं खेल भावना और आपसी सौहार्द के प्रतीक के रूप में सुरक्षा एजेंसियों की टीम को भी ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

अधिवक्ताओं का विरोध प्रदर्शन जारी

एक महीने बाद भी एसडीएम अभिनव कनौजिया नहीं हटाए गए

अमन लेखनी समाचार

अमेठी, मुसाफिरखाना में एसडीएम अभिनव कनौजिया के खिलाफ अधिवक्ताओं का विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है। करीब एक महीने से अधिवक्ता एसडीएम को हटाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। अधिवक्ता मुसाफिरखाना एसडीएम अभिनव कनौजिया पर अभद्रता का आरोप लगा रहे हैं। इसी आरोप के चलते तहसील के अधिवक्ता 27 दिसंबर से लामबंद होकर लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। विरोध प्रदर्शन की शुरूआत में जिलाधिकारी (डीएम) द्वारा अधिवक्ताओं से बातचीत की गई थी, लेकिन इस बातचीत से कोई समाधान नहीं निकला। इसके बाद अधिवक्ताओं ने तहसील में एक महापंचायत बुलाई और सड़क पर उतरकर नारेबाजी भी की। इन सभी प्रयासों के बावजूद, एसडीएम अभिनव कनौजिया को अभी तक उनके पद से नहीं हटाया गया है। अधिवक्ता लगातार एसडीएम को हटाने की मांग पर अड़े हुए हैं और उनका विरोध प्रदर्शन आज भी जारी है। अधिवक्ताओं का कहना है कि जब तक एसडीएम को हटाया नहीं जाता, तब तक उनका विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। आज भी अधिवक्ता तहसील के मुख्य गेट पर हाथों में तख्तियां लेकर नारेबाजी कर रहे हैं।

हिंदू सम्मेलन मे वक्ताओं ने दिया एकजुटता का मंत्र

सहभोज के साथ संपन्न हुआ दशहरा बाग में हिंदू सम्मलेन

अमन लेखनी समाचार

संतोष मिश्रा

बहराइच। जनपद बहराइच के सीमावर्ती नगर पंचायत रूपईडीहा के दशहरा बाग में हिंदू सम्मेलन व सहभोज का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वामी विष्णु देवाचार्य महाराज रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में गुरमीत सिंह गुरुग्रंथी, गुरुद्वारा नेपालगंज उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आदर्श नगर पंचायत रुपईडीहा के चेयरमैन डॉ. उमाशंकर वैश्य ने की। कार्यक्रम का संचालन सरस्वती विद्या मंदिर के प्राचार्य अनुज सिंह द्वारा किया गया। हिंदू सम्मेलन को संबोधित करते हुए नेपालगंज से आई कृष्णा देवी पांडे, अध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अमरनाथ, आचार्य दयाशंकर शुक्ल, ब्लॉक प्रमुख नवाबगंज जयप्रकाश सिंह, इंजीनियर राजेंद्र सिंह, रतन अग्रवाल, आरएसएस प्रचारक के सर्वेश जी सहित अन्य वक्ताओं ने हिंदू समाज को एकजुट रहने का मंत्र दिया। वक्ताओं ने कहा कि संगठित सनातन होगा तभी समर्थ भारत का सपना साकार होगा। हिंदू जागरण समय की आवश्यकता है, इसके बिना हिन्दुओं का कल्याण संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि हिन्दू समाज जाति व धर्म के नाम पर बंटेगा तो उसके अस्तित्व पर संकट आना तय है। ऐसे मे हिंदू समाज को बिना भेदभाव के एकजुट रहना जरुरी है। कार्यक्रम में शामिल अतिथियों, विशिष्ट लोगों व पत्रकारों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। अवसर पर भाजपा मंडल रूपईडीहा अध्यक्ष महाराजदीन वर्मा, योगेश पांडे, अभिजीत सिंह, उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, उपाध्यक्ष कन्हैया वर्मा, देवेंद्र पाठक, अरुण पाठक, भीमसेन मिश्रा, राजेश सिंह, चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ. अश्वनी वैश्य, दुर्गेश वर्मा सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे। सम्मलेन के दौरान प्रभारी निरीक्षक रूपईडीहा रमेश सिंह रावत द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

सुल्तानपुर में छात्रा को अगवा करने का मामला

आरोपी शिक्षक के तहसील में होने की सामने आई बात

अमन लेखनी समाचार

सुलतानपुर , घटना के दिन सर बाइक से आए थे। सर बहुत अच्छे थे, हम लोगों को पेन्सिल-रबड़ ये सब स्वयं देते थे। हम लोगों को कभी डराए भी नहीं। ये कहना है अमरूपुर के सरकारी स्कूल के बच्चों का। जहां के शिक्षक अब्दुल रशीद पर एक बच्ची के अगवा करने का आरोप लगा है। जिला मुख्यालय से लगभग 35 किमी वाराणसी मार्ग चांदा कोतवाली है, और यहां से लगभग 5 किमी दूर मिडिल स्कूल है। जहां पर अब्दुल रशीद की तैनाती थी। अब्दुल रशीद की नियुक्ति नईगंज धौरहरा स्कूल पर हुई थी। जुलाई में स्कूल मर्ज हुआ तो 9 जुलाई को अमरूपुर में उन्हें शिफ्ट किया गया। 27 जनवरी की शाम उस पर तीसरी कक्षा की सात वर्ष की छात्रा ने जो आरोप लगाया जिसकी कल्पना उसने सपने में भी नहीं की थी। छात्रा ने आरोप लगाया कि स्कूल से निकलने के बाद सर ने उसे सफेद कलर की कार में बैठा लिया जहां दो लोग और साथ थे। उसके बाद मुंह बांधकर हमें जंगल की ओर ले गए और गाड़ी में रखे चाकू को दिखाकर कहा अगर किसी को कुछ बताया तो गला काट दूंगा। फिर दो घंटे बाद शाम 5 बजे घर से पहले बाजार में मस्जिद के पास उतार कर वो चले गए। परिजनों ने बच्ची की बात को सत्य माना और बिना पड़ताल किए कुछ संगठनो को इसकी सूचना दिया। दूसरे दिन कई संगठनो के सैकड़ों लोगों ने थाना घेर लिया और पुलिस पर कार्रवाई का दबाव बनाया। उच्च अधिकारी ऐसे संगठनो के आगे नतमस्तक दिखे।

मुख्यमंत्री के संभावित दौरे को देखते हुए जिले में हलचल तेज

डीएम ने अधिकारियों के साथ सेमरहना का किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच। भरथापुर विस्थापन के लिए सेमरहना में चिन्हित जमीन का डीएम ने आला अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया निरीक्षण के साथ ही क्षेत्र में चर्चा है कि मुख्यमंत्री का संभावित दौरा हो सकता है ग्रामीणों में चर्चा है कि भरथापुर के विस्थापन के लिए सेमरहना में चिन्हित जमीन पर बनने वाले आवासों के मालिकाना हक के कागजात मुख्यमंत्री स्वयं अपने हाथों से दे सकते हैं ।वही इस संबंध में अधिकारी कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। तहसील मिहींपुरवा के अंतर्गत जंगल और नदी के बीच बसे दूरस्थ गांव भरथापुर में अक्टूबर महीने में हुई नाव दुर्घटना के बाद वहां के 136 परिवारों को सेमरहना में बसाने का मुख्यमंत्री ने खुद मोतीपुर पहुंच पीड़ितों के बीच घोषणा की थी और एक महीने में विस्थापन और निर्माण का आदेश दिया था। मुख्यमंत्री की घोषणा के तीन महीने बीतने के बाद भी अभी विस्थापन के लिए निर्मित होने वाले मकान की निर्माण प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी है। रविवार को डीएम अक्षय त्रिपाठी अपने लाव लश्कर के साथ सेमरहना में स्थित चिन्हित जमीन का जायजा लेने पहुंचे तो लोगों में मुख्यमंत्री के संभावित दौरे की चर्चा शुरू हो गई ।माना जा रहा है कि विस्थापन में निर्माण होने वाले आवास जमीन के मालिकाना हक के कागजात मुख्यमंत्री अपने हाथों दे सकते हैं।इस संबंध में अधिकारियों से बात करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने मुख्यमंत्री के आने की संभावना पर गोलमाल जवाब दिया।

वक्फ संपत्तियों का होगा सर्वे:100 साल पुराने दस्तावेज खंगाले जाएंगे

कब्रिस्तान तोड़े जाने के बाद से विवाद

अमन लेखनी समाचार

अलीगढ़ , किशनपुर स्थित स्वर्ण जयंती नगर कॉलोनी में अवैध कब्रिस्तान हटाए जाने के बाद प्रशासन अब जिले की तमाम वक्फ संपत्तियों की कुंडली खंगालने की तैयारी में है। प्रशासन और एएमयू के सर्वे के आंकड़ों में भारी विसंगति मिलने के बाद अब (ग्राउंड पेनिट्रेटिंग रडार) तकनीक का सहारा लिया जाएगा ।सरकारी रिकॉर्ड बनाम एएमयू सर्वे जिले में वक्फ संपत्तियों की संख्या को लेकर दो अलग-अलग दावे सामने आए हैं, जिसने जांच की सुई घुमा दी है। ?सरकारी दस्तावेजों के अनुसार केवल 1,700 संपत्तियां दर्ज। वहीं, एएमयू के पुराने सर्वे के अनुसार 4,220 संपत्तियां वक्फ की हैं।

जांच में मिली 1216 संपत्ती

जांच में 1216 संपत्तियां ऐसी मिलीं जो वास्तव में सरकारी (बंजर या श्मशान) थीं, लेकिन उन्हें वक्फ रिकॉर्ड में दर्ज कर लिया गया। इन्हें अब उम्मीद पोर्टल पर अपडेट कर दिया गया है। अब दोबार से जांच का सिलसिला जारी किया जाएगा।

बिना खुदाई पता चलेगी जमीन के अंदर की स्थिति

प्रशासन अब विवादित संपत्तियों का सर्वे कराने पर विचार कर रहा है। यह रडार विद्युत चुंबकीय तरंगों के जरिए जमीन के अंदर छिपी नींव, पाइप या किसी भी निर्माण का सटीक नक्शा बना देता है। इससे यह साफ हो जाएगा कि जमीन के नीचे वास्तव में कब्रिस्तान है या सिर्फ कागजों पर दावा किया गया है। किशनपुर में इसी तकनीक से अवैध कब्जे की पोल खुली थी। किशनपुर इलाके में अलीगढ़ विकास प्राधिकरण के होश तब उड़ गए जब पैमाइश के दौरान रिकॉर्ड में दर्ज 2400 वर्ग मीटर जमीन के बदले मौके पर सिर्फ 1400 वर्ग मीटर ही मिली। अब 1000 वर्ग मीटर जमीन का पता लगाने के लिए 100 साल पुराने रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। अवैध रूप से किए ?बैनामे होंगे रद्द यदि एडीए की अधिग्रहीत जमीन को किसी ने अवैध रूप से बेचा है, तो उन सभी बैनामों को निरस्त किया जाएगा। एडीए वीसी कुलदीप मीना ने बताया कि जांच में एडीए की काफी जमीन की जानकारी मिली थी। इसके बाद ही कार्रवाई की गई थी।

पुलिस ने बिना चोट के दर्ज किया क्रॉस केस

मुंबई में रह रहे युवक समेत पीड़ितों पर भी मुकदमा दर्ज , चौकी प्रभारी पर उगाही का आरोप

अमन लेखनी समाचार

सुल्तानपुर , बंधुआकला स्थित खोखीपुर में कर्बला के रास्ते को लेकर विवाद गहरा गया है। इस मामले में पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि मेडिकल रिपोर्ट में चोट की पुष्टि न होने के बावजूद पुलिस ने कथित आरोपियों की ओर से भी मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता इशरत जहां पुत्री गौस मोहम्मद ने आरोप लगाया है कि शाम वह और उनकी बहन अंजुम बानो घर में मौजूद थीं। इसी दौरान पड़ोसी सबीहा पत्नी जमील अहमद, सबीना, नरगिस, बबली, शकीला पुत्रीगण स्व. जमील अहमद और अशरफ अली उर्फ सोनू सुत स्व. जहीर अहमद उनके घर में घुस आए। उन्होंने रास्ते के पुराने विवाद को लेकर दोनों बहनों पर लाठी-डंडे और फावड़े से हमला किया। इशरत के अनुसार, हमलावरों ने उन्हें 'डायन' कहकर जान से मारने और घर में ही दफनाने की धमकी दी। शोर सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हुए और उन्होंने बीच-बचाव किया। इस हमले में अंजुम बानो को गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद वह बेहोश हो गईं। उन्हें राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। इशरत की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। हालांकि, इशरत जहां ने खोखीपुर चौकी प्रभारी संजय पाठक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि पाठक ने विपक्षी से कथित तौर पर तीस हजार रुपये लिए और थाना प्रभारी को गुमराह किया। अगले ही दिन घायल पक्ष पर भी क्रॉस एफआईआर दर्ज करा दी गई। यह एफआईआर बिना किसी मेडिकल रिपोर्ट के दर्ज की गई, जबकि मेडिकल जांच में चोट की पुष्टि नहीं हुई थी। इशरत ने यह भी बताया कि इस एफआईआर में उनके भतीजे अमन को भी आरोपी बनाया गया है। जबकि अमन पिछले तीन महीने से मुंबई में रह रहा है। इशरत का आरोप है कि यह घटना पुलिस द्वारा धन उगाही के खेल को उजागर करती है। यह भी उल्लेखनीय है कि मोहर्रम के दौरान भी इसी रास्ते को लेकर मारपीट हुई थी, जिसका एक वीडियो सामने आया था। उस समय भी इशरत ने पहले मुकदमा दर्ज कराया था, जिसके बाद तत्कालीन थाना प्रभारी विजय सिंह ने बिना चोट के इशरत और अन्य लोगों पर भी उन्हीं धाराओं में केस दर्ज कर दिया था। उस घटना के बाद इशरत ने ताजिया उठाने से इनकार कर दिया था। तब एसडीएम सदर बिपिन द्विवेदी ने आश्वासन दिया था कि ताजिया दफन कर दिया जाए

बार काउंसिल चुनाव शुरू

कचहरी, लालगंज, कुंडा में मतदान, अब तक 340 वोट पड़े

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़, जिले में उत्तर प्रदेश बार काउंसिल चुनाव के चौथे चरण का मतदान शुरू हो गया। अधिवक्ता कचहरी परिसर के साथ-साथ लालगंज और कुंडा दीवानी न्यायालयों में बनाए गए बूथों पर अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। मतदान कराया जा रहा है। प्रतापगढ़ कचहरी परिसर में कुल 13 बूथ स्थापित किए गए हैं। लालगंज और कुंडा दीवानी न्यायालय परिसर में दो-दो बूथों पर वोट डाले जा रहे हैं। मतदान प्रक्रिया सुबह 10 बजे शुरू हुई और शाम 5 बजे तक जारी रहेगी। जनपद न्यायाधीश राजीव कमल पांडेय मतदान प्रक्रिया की देखरेख कर रहे हैं। लालगंज दीवानी न्यायालय में अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट विराट मणि त्रिपाठी और अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रघुवीर सिंह राठौड़ की निगरानी में मतदान हो रहा है। कुंडा दीवानी न्यायालय में एसीजेएम आकृति गौतम को पीठासीन अधिकारी नियुक्त किया गया है। कुंडा में 650 से अधिक अधिवक्ता मतदान करेंगे, जबकि लालगंज सिविल न्यायालय के दो बूथों पर 395 अधिवक्ताओं के लिए मतदान की व्यवस्था की गई है। चुनाव में जिले के चार प्रत्याशी मैदान में हैं। वे अपने-अपने बूथों पर मौजूद रहकर अधिवक्ताओं से समर्थन की अपील कर रहे हैं। अधिवक्ता शैलेंद्र तिवारी ने कहा कि वह बार काउंसिल चुनाव में मुद्दों के आधार पर मतदान करेंगे।

डीएम ने विकास भवन का औचक निरीक्षण किया

जनता दर्शन के निर्देश दिए, शहीदों को दी मौन श्रद्धांजलि

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने विकास भवन का औचक निरीक्षण कर प्रशासनिक कार्यप्रणाली का जायजा लिया। उन्होंने विभिन्न कार्यालयों की उपस्थिति पंजिकाओं का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान एक कर्मचारी अनुपस्थित पाया गया, जबकि शेष सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने-अपने कार्यस्थलों पर उपस्थित मिले। जिलाधिकारी ने कार्यालयों की समयबद्धता एवं अनुशासन पर संतोष व्यक्त किया जिलाधिकारी ने कहा कि अधिकारी एवं कर्मचारी शासकीय कार्यों तथा सौंपे गए दायित्वों का भली-भांति निर्वहन कर रहे हैं। फाइलों के निस्तारण, योजनाओं के क्रियान्वयन एवं जनसामान्य से संबंधित मामलों में कार्य की प्रगति संतोषजनक पाई गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शिता, जवाबदेही एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करना सभी का दायित्व है। उन्होंने पूर्वान्ह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक नियमित रूप से जनता दर्शन आयोजित कर आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुनने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त संदर्भों का गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध एवं संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा, ताकि नागरिकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। इस अवसर पर, भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहूति देने वाले शहीदों की स्मृति में विकास भवन परिसर में 2 मिनट का मौन धारण किया गया।

संक्षेप

अवैध क्लीनिकों के खिलाफ कार्रवाई

डिग्री न मिलने पर स्वास्थ्य विभाग ने किया सीज

बागपत , झोलाछाप के खिलाफ जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग का अभियान तेज हो गया है।इसी क्रम में खेकड़ा क्षेत्र में अवैध क्लीनिकों पर बड़ी कार्रवाई की गई। इससे पूर्व अग्रवाल मंडी टटीरी, पिलाना और बिनौली सहित अन्य क्षेत्रों में भी सख्त कार्रवाई की जा चुकी है। खेकड़ा में निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ऐसे कई झोलाछाप डॉक्टरों को चिह्नित किया। ये डॉक्टर बिना किसी वैध योग्यता, डिग्री या पंजीकरण के क्लीनिक चला रहे थे। जांच में उनके पास कोई मान्य चिकित्सा डिग्री या पंजीकरण नहीं पाया गया, जिसके बाद संबंधित क्लीनिकों को तत्काल सीज कर दिया गया।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई जिले में चल रहे व्यापक अभियान का ही हिस्सा है। जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ अब कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी।बिना योग्यता के इलाज करने से मरीजों की जान को खतरा होता है और स्वास्थ्य प्रणाली पर भी अविश्वास बढ़ता है। स्वास्थ्य विभाग ने चेतावनी दी है कि भविष्य में यदि कोई व्यक्ति बिना डिग्री और पंजीकरण के चिकित्सा सेवा प्रदान करता पाया गया, तो उसके खिलाफ सीधी एफआईआर दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे इलाज कराने से पहले चिकित्सक की योग्यता और पंजीकरण की जांच करें तथा झोलाछाप गतिविधियों की सूचना तत्काल प्रशासन को दें।

अवैध खनन पर कार्रवाई, 9 वाहन सीज

अवैध खनन और ओवरलोड पर प्रशासन सख्त

बागपत , अवैध खनन के खिलाफ जिला प्रशासन की सख्ती लगातार जारी है। शुक्रवार को प्रशासन और खनन विभाग की टीमों ने थाना खेकड़ा, बड़ौत और निवाड़ा चेक पोस्ट पर अभियान चलाते हुए कुल 9 वाहनों को सीज किया है।जिला खनन अधिकारी वीरेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में थाना खेकड़ा क्षेत्र से 7 वाहन, बड़ौत से 1 वाहन और निवाड़ा चेक पोस्ट से 1 वाहन पकड़े गए। ये सभी वाहन वैध रॉयल्टी, परमिट और आवश्यक दस्तावेजों के बिना संचालित हो रहे थे। नियमानुसार,सभी वाहनों को संबंधित थानों में सीज कर दिया गया है। यह कार्रवाई रात तीन बजे चलाए गए एक बड़े ऑपरेशन के बाद भी जारी रही। इससे पहले, प्रशासन के विशेष रात्रिकालीन अभियान में 16 वाहनों पर कार्रवाई की गई थी, जिसमें 6 वाहनों से 5.90 लाख रुपये का जुमार्ना वसूला गया और 10 वाहन सीज किए गए थे।लगातार हो रही इन कार्रवाइयों से अवैध खनन माफिया में हड़कंप मचा हुआ है। जिलाधिकारी अस्मिता लाल के सख्त निदेर्शों और सतत निगरानी में खनन विभाग, तहसील प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीमें दिन-रात सड़कों पर गश्त कर रही हैं। प्रमुख मार्गों, अंतरजनपदीय सीमाओं और संवेदनशील क्षेत्रों में बैरिकेडिंग व चेक पोस्ट लगाकर हर खनन वाहन की रॉयल्टी रसीद और अन्य दस्तावेजों की सघन जांच की जा रही है। प्रशासन का कहना है कि अवैध खनन से न केवल राजस्व का नुकसान होता है, बल्कि इससे पर्यावरण को क्षति पहुंचती है, सड़कें खराब होती हैं और दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ता है। इसी के मद्देनजर, अब अचानक नाकेबंदी, मोबाइल चेकिंग टीमें और रूट-आधारित निगरानी को और मजबूत किया गया है।

जय अंगद बाबा क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 का भव्य शुभारंभ

बड़ाहार ने उद्घाटन मैच में अलीपुर को हराया

अमन लेखनी समाचार

बकेवर, फतेहपुर। विकास खंड देवमई के संयुक्त ग्राम कौड़िया-गलाथा में रविवार को जय अंगद बाबा क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 का भव्य शुभारंभ बड़े उत्साह और खेल भावना के साथ किया गया। टूर्नामेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि राजेश शुक्ला (पूर्व प्रधान, औंग) ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, खेल प्रेमी और बड़ी संख्या में ग्रामीण दर्शक मौजूद रहे।आयोजक ने बताया कि यह प्रतियोगिता 1 फरवरी से 15 फरवरी 2026 तक चलेगी, जिसमें आसपास के गांवों की कई मजबूत टीमें हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट का उद्देश्य ग्रामीण अंचल की खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और युवाओं में खेल के प्रति सकारात्मक माहौल तैयार करना है। उद्घाटन मैच बड़ाहार और अलीपुर के बीच खेला गया। टॉस जीतकर बड़ाहार टीम ने पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया, जो पूरी तरह सही साबित हुआ। बड़ाहार के सधे हुए गेंदबाजों के सामने अलीपुर की टीम संघर्ष करती नजर आई और पूरी टीम महज 64 रन पर सिमट गई। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी बड़ाहार टीम ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए मात्र 8 ओवर में लक्ष्य हासिल कर मैच अपने नाम कर लिया।मैच के दौरान दर्शकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। चौके-छक्कों पर तालियों की गड़गड़ाहट और खिलाड़ियों के जोश ने मैदान को पूरी तरह जीवंत बना दिया। उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि राजेश शुक्ला ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं, बल्कि अनुशासन और टीम भावना भी सिखाते हैं।ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को ऐसे आयोजनों से आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। आयोजकों ने बताया कि टूर्नामेंट के अंत में विजेता एवं उपविजेता टीमों को आकर्षक ट्रॉफी व पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। प्रतियोगिता को लेकर पूरे क्षेत्र में खासा उत्साह देखा जा रहा है और प्रतिदिन बड़ी संख्या में दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है।

बिंदकी कोतवाली में हुई पीस कमेटी की बैठक

अमनलेखनी समाचार

बिंदकी, फतेहपुर। जनपद फतेहपुर के कोतवाली बिंदकी में आगामी महाशिवरात्रि त्यौहार तथा शब-ए-बारात? पर्व को लेकर पीस कमेटी की बिंदकी कोतवाली में बैठक हुई।बैठक में मौजूद क्षेत्राधिकारी प्रगति यादव व तहसीलदार रचना यादव ने दोनों त्योहार शांतिपूर्वक आपसी भाईचारा से मनाने की अपील किया और कहा किसी भी प्रकार कोई गैर कानूनी कार्य न किया जाए वरना कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी जानकारी के अनुसार बिंदकी कोतवाली परिसर में रविवार की शाम करीब 4:30 बजे पीस कमेटी की एक बैठक हुई। बैठक में आगामी महाशिवरात्रि त्यौहार तथा शब ए बारात पर्व आपसी भाईचारा व शांति पूर्वक मनाने पर चर्चा हुई। इस मौके पर नायब तहसीलदार रचना यादव ने कहा कि दोनों ही पर्व सभी लोग आपसी भाईचारा और सौह पूर्ण वातावरण में मनाने का काम करें। इस मौके पर पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रगति यादव ने कहा कि त्योहार मनाने के दौरान कोई व्यक्ति गैर कानूनी काम ना करें परंपरागत ढंग से दोनों त्यौहार मनाने का काम करें यदि कोई व्यक्ति गैर कानूनी काम करेगा तो इसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक हेमंत कुमार मिश्रा, सब इंस्पेक्टर विजय प्रकाश तिवारी, सब इंस्पेक्टर अरविंद कुमार सिंह, अमरनाथ मौर्या, जोनिहा चौकी इंचार्ज अजीत सिंह, खजुहा चौकी इंचार्ज बृजेंद्र माथुर, के अलावा बालाजी सेवा न्यास के अध्यक्ष लक्ष्मी चंद्र उर्फ मोना ओमर, अनूप अग्रवाल, मोहम्मद इम्तियाज, जनता ग्राम प्रधान विजय कुमार चौरसिया, जाफराबाद ग्राम पंचायत प्रधान पति मिठाई लाल कुशवाहा सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

हिंदू मुस्लिम त्योहार को लेकर थाने पर हुई बैठक

क्षेत्राधिकारी ने आपसी सौहार्द बनाए रखना के लिए की अपील

अमन लेखनी समाचार/रवि श्रीवास्तव

जहानाबाद, फतेहपुर।जनपद में शबे बारात व महाशिवरात्रि पर्व के तहत जनपद के थाना जहानाबाद परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता क्षेत्राधिकारी बिंदकी प्रगति यादव द्वारा की गई अध्यक्षता करते हुए क्षेत्राधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सभी हिंदू मुस्लिम भाई आपसी भाईचारा एकता और सद्भावना के साथ धार्मिक त्योहारों को मनाऐ तथा शांति व्यवस्था को कायम रखें क्षेत्राधिकारी प्रगति यादव ने कहा कि हर पर्व अपना धार्मिक व सामाजिक महत्व रखता है पर्व जोड़ने के लिए होते हैं तोड़ने के लिए नहीं हिंदू मुस्लिम सभी समुदाय से अपील करते हुए भडकाऊ संदेश अफवाह इत्यादि ना फैलने के लिए अपील की बैठक में मौजूद पूर्व अध्यक्ष हाफिज अनवर उल हक समेत अन्य लोगों ने भी पर्व को लेकर आपसी भाईचारे की मिसाल प्रस्तुति की इस मौके पर पूर्व

मंडल अध्यक्ष लाल सिंह सूर्यवंशी शहर काजी सफी मौलाना जयसिंह सांगा पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश बाजपेई ग्राम प्रधान पति श्रीकांत उत्तम राजीव निषाद कौशलेंद्र यादव समेत क्षेत्र के सैकड़ो गण मान्य लोग मौजूद रहे

अमौली सीएससी में आयोजित हुआ विशाल स्वास्थ्य मेला

अपर मुख्य चिकित्साधिकारी की मौजूदगी में मरीजों का हुआ परीक्षण

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद के अमौली विकासखंड कस्बे में संचालित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतर्गत मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर पुष्कर कटियार के निर्देशन में आयोजित स्वास्थ्य मेले में पहुंचे जनपद के अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ पीके सिंह ने स्वास्थ्य मेले का शुभारंभ किया स्वास्थ्य मेला अंतर्गत मौजूद चिकित्सक डॉक्टर नवीन सिंह ने अपनी पूरी टीम के साथ तन्मयता से आए हुए मरीज का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए निशुल्क दवाएं प्रदान की चिकित्सक डॉक्टर नवीन सिंह ने मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य रखने हेतु महत्वपूर्ण जानकारियां दी वहीं अस्पताल परिसर में आए हुए लगभग आधा दर्जन लोगों की मलेरिया टाइफाइड जांच भी की गई अस्पताल पहुंचे अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने आए हुए मरीजों से वार्तालाप करते हुए उनके स्वास्थ्य के विषय में जानकारी ली तथा उत्तम स्वास्थ्य हेतु महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा की इस मौके पर अस्पताल परिसर में महिला चिकित्सक निकिता सचान अभय प्रताप सिंह लैब टेक्नीशियन विकास सिंह ओमप्रकाश आयुष्मान मित्र बृजेंद्र सिंह सैयाद्दीन समेत अन्य स्वास्थ्य कर्मी तथा आशा कार्यकत्री भारी संख्या में मौजूद रही

मेरठ में कपसाड़ कांड के बाद नजरबंद पीड़िता का परिवार

भाई बोला- न पैसा मिला न नौकरी, हमको मिलने-जुलने से भी रोका जा रहा

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , सरधना थानाक्षेत्र के चर्चित कपसाड़ कांड में पीड़िता रूबी का परिवार परेशान है। पीड़ित परिवार का कहना है कि घटना को लगभग 20 दिन होने जा रहे हैं, लेकिन अब तक हमें कुछ भी नहीं मिला। हमसे जो सुविधाएं, 50 लाख रुपए, सरकारी नौकरी, सुरक्षा देने की बात कही गई थी वो भी नहीं दी गई। वो मिलेगी या नहीं इसकी भी हमें कोई सूचना नहीं दी जा रही है। बल्कि पुलिस हमें अपने लोगों से मिलने-जुलने से भी रोक रही है। आरोप लगाया कि हमारे साथ धोखा हो रहा है। हमें दबाया जा रहा है, हम अपनी बात न कहें, इसलिए हमारे घर में 24 घंटे पुलिसफोर्स लगी है। न हमें किसी से मिलने दिया जा रहा है, न ही किसी को हमसे मिलने आने दिया जा रहा है। पीड़ित परिवार ने शासन, प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। जो वादे किए वो पूरे नहीं हो रहे तस्वीर में पीड़िता के तीनों भाई और पिता सतेंद्र हैं तस्वीर में पीड़िता के तीनों भाई और पिता सतेंद्र हैं।पीड़िता रुबी के बड़े भाई नरसी ने बातचीत में कहा कि आठ जनवरी को बहन रूबी के अपहरण और मां सुनीता की हत्या के बाद प्रशासन ने पिस्टल लाइसेंस, जमीन का पट्टा, संविदा नौकरी और 50 लाख रुपये मुआवजे का आश्वासन दिया था। अब तक केवल 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता मिली है। हाल ही में अधिकारियों से बातचीत में यह साफ हुआ कि नौकरी गोशाला में दी जाएगी, जबकि पहले दौराला या खतौली शुगर मिल में नौकरी देने की बात कही गई थी।कहा कि पुलिस सख्ती के चलते परिवार घर से बाहर नहीं जा पा रहा है।

चाकू से गोदकर डबल मर्डर

ढाबे पर खाना खाते समय शराब पीकर मारपीट के बाद दोनों पक्षों में चाकू चले

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , खोड़ा में रात एक ढाबे पर हुए विवाद में 2 युवकों का मर्डर कर दिया गया। जहां खाने के पैसे अधिक मांगने पर विवाद हुआ। जिसके बाद चाकूबाजी हुई। पूरी घटना घटना अंबेडकर गेट के पास स्थित वैष्णो ढाबे पर हुई। घटना की सूचना पर एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव और डीसीपी मौके पर पहुंचे। रात तक पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी।

खाना खाने पर हुआ विवाद

पुलिस ने बताया कि वैष्णो ढाबे पर खाना परोसने में देरी को लेकर दोनों पक्षों में पहले बहस हुई। देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने चाकू निकाल लिए। जिसमें खोड़ा निवासी सत्यम और उसका दोस्त श्रीपाल का मर्डर कर दिया गया। इससे मौके पर अफरा तफरी मच गई, खाना खा रहे लोग भाग निकले। घटना के बाद ढाबे और आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आरोपी मौके से पैदल ही फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। हालांकि डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। शराब के नशे में हुआ विवादडीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटिल ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि घटना के समय दोनों पक्षों ने शराब का सेवन किया हुआ था। उन्होंने कहा कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने रात में 4 लोगों को हिरासत में ले लिया है। जहां पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। मौके पर सीसी टीवी को भी देखा जा रहा है।

तीसरा युवक नशे में सहीं नहीं बोल पायाएसीपी अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि दो श्रीपाल (25 साल) मूल रूप से बहराइच का रहने वाला था। जो खोड़ा के नेहरु विहार में किराए पर रह रहा था। वहीं सत्यम (26 साल) की हत्या हुई। तीसरा इनका साथी सही नहीं बोल पा रहा था, जो शराब का सेवन किए हुए था। जांच में आया कि पैसे अधिक मांगने पर विवाद हुआ। खोड़ा निवासी धर्मेंद्र का वैष्णो ढाबा है। हत्या करने वालों में रात में सूरज, राजन और विशेष की पहचान हो चुकी है।

14 साल की लड़की को बंधक बनाकर गैंगरेप-मौत

बॉयफ्रेंड ने घर बुलाकर दो दोस्तों के साथ वारदात की, रात भर बेहोश पड़ी रही

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , बॉयफ्रेंड ने अपने 2 दोस्तों के साथ 14 साल की लड़की से गैंगरेप किया। आरोपी ने आधी रात बहाने से लड़की को अपने घर बुलाया। फिर बंधक बनाकर दोनों दोस्तों के साथ वारदात की। जब लड़की बेहोश हो गई तो आरोपी फरार हो गए। अगले दिन सुबह 5 बजे बॉयफ्रेंड की मां कमरे में गई तो लड़की खून से लथपथ बेसुध पड़ी थी। मां ने लोगों की मदद से लड़की को उसके घर पहुंचाया। जहां 2 घंटे के बाद होश उसे आया। परिजनों ने घटना के बारे में पूछा तो वह शांत रही। फिर कमरे में जाकर जहर पी लिया। घरवाले उसे तुरंत अस्पताल ले गए। जहां लड़की ने दम तोड़ दिया। उसके साथ गैंगरेप 25 जनवरी की रात हुआ था। परिजनों के शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। मुख्य आरोपी को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। साथ ही अन्य दो आरोपियों की तलाश जारी है। हालांकि पुलिस ने मामले को अफेयर बताया है।

लड़की के भाई ने कहा- मेरी बहन खून से लथपथ थी

पीड़ित के भाई ने बताया- 25 तारीख की सुबह हम लोग उठे तो बहन घर पर नहीं थी। हम लोगों ने खोजबीन शुरू की। मोहल्ले के लोगों से पूछताछ कर रहे थी। इसी दौरान मोहल्ले के रहने वाले अनुज की मां मेरी बहन को बेसुध हालत में घर लेकर पहुंची। उस समय मेरी बहन के कपड़े खून से सने हुए थे।होश आने के बाद मैंने अपनी बहन से पूछा तो उसने बताया कि अनुज और उसके दोस्तों ने मेरे साथ रेप किया। इसके बाद मैंने उसे समझाया और वह कमरे में आराम करने चली गई। इसी बीच मेरी बहन ने घर में रखी कीटनाशक दवा पी ली। आनन-फानन में उसे मवाना के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से डॉक्टरों ने उसे मेडिकल के लिए रेफर कर दिया।डॉक्टर बोले- 26 जनवरी को भर्ती हुई थी लड़की मेडिकल अस्पताल के मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद ने बताया- 26 जनवरी की सुबह मरीज को गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। भर्ती के बाद से ही मरीज वेंटिलेटर पर था। बीच में उसकी हालत में हल्का सुधार भी देखा गया, लेकिन गुरुवार सुबह से फिर स्थिति बिगड़ने लगी। इलाज के दौरान शुक्रवार शाम को मरीज ने दम तोड़ दिया।

एसएसपी बोले- युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया

मेरठ एसएसपी डॉ. विपिन ताड़ा ने बताया- बहसूमा थाना क्षेत्र की रहने वाली एक लड़की का अपने मोहल्ले के साथ एक लड़के के साथ अफेयर चल रहा था।

मोबाइल चोर को पांचवे दिन पकड़कर पीड़िता ने पुलिस को सौंपा

अमन लेखनी समाचार

मिजार्पुर। मड़िहान थाना क्षेत्र के कुसुम्हा गांव से दो पीड़ित महिलाओं ने मोबाइल चोर को पकड़कर डायल 112 पुलिस के हवाले कर दिया। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत शेरुआ के सोनउंहा गांव निवासी कौशल्या ने बताया कि संतनगर थाना क्षेत्र के पडरिया कला गांव में 23 से 25 जनवरी तक मेला लगा था। जहां वह चाट फुल्की का ठेला लगाई थी। 25 जनवरी को एक युवक फुल्की खाने आया था वही पास में मोबाइल चार्ज में लगाई थी। ध्यान हटते ही मोबाइल लेकर युवक गायब हो गया।वही मड़िहान थाना क्षेत्र के खंतरा गांव निवासी कुसुम ने बताया कि वह भी मेले में खिलौनों की दुकान लगाई हुई थी। बगल में मोबाइल रखकर ग्राहकों को समान दिखाने में व्यस्त हो गई। मौका देखकर आरोपी युवक मोबाइल लेकर फरार हो गया। दोनों पीड़ित शुक्रवार की सुबह रजौहां बाजार में सामान लेने हुए आई हुई थी।वहीं आरोपी युवक को पहचान कर उसको बुलाने लगी मौका देखकर युवक भागने लगा।जिसका पीछा कर कुसुम्हा गांव में जाकर पकड़ लिया। पकड़े गए युवक की पहचान सोनभद जनपद के घोरावल थाना क्षेत्र अंतर्गत महाए गांव निवासी विनोद कोल 32 वर्ष के रूप में हुई। जिसका ससुराल कुसुम्हा गांव निवासी विनोद के घर है। आरोपी के पूछताछ दौरान उसकी जेब से निकले मोबाइल को पहचानते हुए पीड़ितों ने डायल 112 पुलिस को सूचना देकर आरोपी को उनके सुपुर्द कर दिया।

आवारा पशुओं से परेशान किसानो ने सामुदायिक भवन में रखा

अमन लेखनी समाचार

मिजार्पुर। राजगढ़ थाना क्षेत्र के ददरा पहाड़ी गांव के दर्जनों किसान निराश्रित पशुओं के आतंक से परेशान, दर्जनों पशुओं को पकड़कर सरकारी सामुदायिक भवन में रखा। ब्लॉक कर्मियों पर लापरवाही का लगाया आरोप। गांव निवासी किसान हंसलाल पटेल ने बताया कि खेत में इस समय गेहूं की फसल बोई है।खेत सीवान में हरियाली फैली हुई है। लगभग एक माह से बाहरी निराश्रित पशु गांव में पहुंच गए है।जो दर्जनों की संख्या में है। जिस किसी किसान के खेत में पहुंचते है, वहां की फसल को पूरी तरह चट कर जा रहे है।क्षेत्र के कुछ लघु किसान अपने खेत की सुरक्षा हेतु बाड़े का इंतजाम कर फसल को सुरक्षित कर लिए है।परंतु कुछ के साथ साथ अन्य सीमांत किसान अपने खेतों में बाड़े का इंतजाम करने में असमर्थ है।उनके साथ उनके परिवार का भविष्य एक मात्र खेती पर ही निर्भर है। फसलों की उपज ही उनके भविष्य को संवारती है।बच्चों की शिक्षा दीक्षा भी इसी पर आधारित है।जहां किसानों को देश की रीढ़ की हड्डी माना जाता है। वहा किसानों की कमाई पर खुले आम डाका पड़ रहा है। एक तरफ सूबे के मुखिया निराश्रित पशुओं की सुरक्षा और देख रेख हेतु ब्लॉक मुख्याल क्षेत्र में लाखों रुपए खर्च कर पशु आश्रय स्थल का निर्माण भी हुआ है।वही इन पशुओं को गांव गांव से उठाकर ले जाने के लिए वैन भी ब्लॉक मुख्यालय पर मिला है।वह भी दिखावे का बनकर परिसर की सुंदरता को बढ़ाता दिखाई पड़ रहा है।क्षेत्र के किसानों की फसलों को बचाने हेतु कई बार मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076 पर फोनकर शिकायत भी किया गया।साथ में खंड विकास अधिकारी को भी मामले से अवगत कराया गया है।परंतु कोई भी सुध लेने को तैयार नहीं है।किसान रतजगा कर अपनी गाढ़ी कमाई को बचाने में जुटे है।थक हार कर इन पशुओं को पकड़ कर सामुदायिक भवन में रखा गया है। यह हाल एक गांव का नहीं है बल्कि क्षेत्र के लूसा,इमिलिया, करौदा, मटिहानी, सरसोग्राम, डढ़िया,बार,पतेरी,देवपुरा,ममरी, आदि दर्जनों गांव के किसान निराश्रित पशुओं से परेशान है।

मिशन शक्ति और साइबर क्राइम जागरूकता पर संयुक्त चौपाल का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

पब्लिक स्कूल में मिशन शक्ति और साइबर क्राइम जागरूकता पर एक संयुक्त चौपाल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा और साइबर अपराधों से बचाव के बारे में जानकारी दी गई साइबर अपराधों से बचाव के लिए 10 महत्वपूर्ण बातें बताई गईः अज्ञात कॉल/मैसेज से सावधान रहें। OTP किसी को न बताएं।फर्जी लिंक पर क्लिक न करें। महिलाओं व बच्चियों की ऑनलाइन सुरक्षा रखें। सोशल मीडिया अकाउंट सुरक्षित रखें। डिजिटल भुगतान करते समय सावधानी बरतें। फर्जी नौकरी और लोन ऑफर से बचें। मोमिशन शक्ति और साइबर क्राइम जागरूकता पर संयुक्त चौपाल का आयोजन बाइल में अनजान ऐप इंस्टॉल न करें। ठगी होने पर तुरंत शिकायत करें। राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 याद रखें इस कार्यक्रम में छात्र, छात्राओं और अभिभावकों ने भाग लिया और सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

भकसिहवां स्थित नागबाबा मन्दिर प्रांगण में आयोजित किया गया गोवर्धन पूजा

अमन लेखनी समाचार

डाला सोनभद्र। कोटा ग्राम पंचायत के टोला भकसिहवां स्थित नागबाबा मन्दिर प्रांगण में रविवार को संत शिरोमणी स्वामी रविदास जयन्ती के अवसर पर विराट गोवर्धन पूजा एव बिरहा मुकाबले का कार्यक्रम दीपू शर्मा कार्यकम समिति मुख्य संयोजक संजय अकेला विरेंद्र यादव प्रभु यादव शिव प्रसाद यादव के नेतृत्व में आयोजित किया गया जिसके मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद नारेद्र कुशवाहा अमरेश यादव प्रधानपति पडरछ रहे। वहीं श्री कृष्ण भगत पुजारी बाबा अमरेश यादव निवासी बबुआ कैमूर बिहार द्वारा गीता यादव पत्नी महावीर यादव से गोवर्धन पूजा करवा गया जहां बिहार के कैमूर जिला से चलकर आए श्री कृष्ण भगत पुजारी बाबा अमरेश यादव द्वारा गोवर्धन पूजा के दौरान एक अनोखी परंपरा निभाई जाती है, जहाँ पुजारी खौलते हुए दूध से स्नान किया गया और यह यादव समाज द्वारा की जाने वाली एक आस्था-आधारित पूजा है, जिसमें उबलते दूध की मटकियों से स्नान कर भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अपनी अगाध श्रद्धा प्रकट किया गया और क्षेत्र के उन्नति हेतु प्रार्थना की गई वहीं मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व सांसद नरेन्द्र कुशवाहा ने कहा कि यह कार्यक्रम इस ग्रामीण इलाकों के लोगों के आस्था व हमारी संस्कृति से जुड़ा हुआ है जिसे हर वर्ष बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है हम कार्यक्रम आयोजित करने वाले टीम सहित कार्यक्रम में पहुंचे सभी लोगों आभार व धन्यवाद व्यक्त करते हैं वहीं बिरहा मुकाबला : रात्रि 8 बजे से प्रारंभ होगा जो रात तक होगा, जिसमे देवरिया के गायक धर्मेंद्र सोलंकी और प्रयागराज की गायिका सुमित्रा नंदानी द्वारा बिरहा गायन की प्रस्तुति दिया जाएगा। इस दौरान प्रहलाद चेरो प्रधान कोटा लोकेश प्रजापति आतिश चंद्रवंशी रामचन्द्र गोंड पूर्व प्रधान शिव प्रसाद यादव विजय यादव विरेंद्र यादव अर्जुन यादव रवि प्रजापति सुरज शर्मा राकेश साहनी अवधेश साहनी कृपा शंकर गोंड के साथ गांव के ग्रामीण सामिल रहें।

अनपरा साइबर टीम द्वारा पीड़ित की 3,82,300/- रुपये की धनराशि उसके मूल खाते में सफलतापूर्वक कराई वापस

अमन लेखनी समाचार

अनपरा सोनभद्र। आवेदक मोहित दूबे पुत्र सतीश कुमार दूबे, निवासी केराकत, जनपद जौनपुर (हाल पताझ्र औरी मोड़) के साथ माह जनवरी 2024 में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा टेलीग्राम ऐप के माध्यम से पैसा दोगुना करने का झांसा देकर कुल 16 बार में 18,63,966/- रुपये की साइबर ठगी की गई थी। उक्त प्रकरण के संबंध में आवेदक द्वारा साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 तथा साइबर क्राइम पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई गई थी। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा साइबर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार के निर्देशन में तथा क्षेत्राधिकारी पिपरी के पर्यवेक्षण एवं प्रभारी निरीक्षक थाना अनपरा बृजेश सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना अनपरा की साइबर टीम द्वारा ठउफ्ढ पोर्टल का अवलोकन किया गया। जांच के दौरान आवेदक की फ्राड हुई कुल धनराशि में से 4,58,882/- रुपये को संबंधित खातों में होल्ड कराया गया तथा आवश्यक साक्ष्य एकत्र कर संबंधित बैंक शाखाओं से ई-मेल के माध्यम से पत्राचार करते हुए होल्ड धनराशि में से 3,82,300/- रुपये को आवेदक के मूल बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस कराया गया। शेष होल्ड धनराशि को भी आवेदक के मूल खाते में अवमुक्त कराए जाने हेतु संबंधित बैंकों से पत्राचार की कार्यवाही प्रचलित है। आवेदक द्वारा थाना अनपरा की साइबर टीम की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।

सोनभद्र पुलिस ने दो अपहृत बालिकाओं को सकुशल किया बरामद

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा वर्ष 2014 से अब तक गुमशुदा/लापता बालक-बालिकाओं की प्रभावी खोजबीन एवं बरामदगी के संबंध में दिनांक 19.01.2026 को गोष्ठी आयोजित कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए थे। उक्त निदेशों के अनुपालन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी नगर व क्षेत्राधिकारी कार्यालय के कुशल नेतृत्व में थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस, थाना एएचटी एवं रखढव शाखा की संयुक्त टीम द्वारा गुमशुदा/अपहृता बालिकाओं की लगातार खोजबीन की गई। इसी क्रम में थाना रॉबर्ट्सगंज पर दिनांक 05.10.2020 को पंजीकृत मु0अ0सं0- 664/2020 धारा 363 भा0द0वि0 में अपहृता (उम्र 16 वर्ष) की व्यापक स्तर पर खोजबीन की गई थी। बरामदगी न होने की स्थिति में मुकदमा उपरोक्त में दिनांक 27.10.2021 को माननीय न्यायालय में अंतिम रिपोर्ट प्रेषित की गई थी। इसके बावजूद अपहृता की बरामदगी के निरंतर प्रयास जारी रहे। थाना अल्ळळ, रखढव एवं चौकी प्रभारी सुकृत द्वारा अपहृता के परिवार से सतत संपर्क स्थापित कर अथक प्रयासों के फलस्वरूप अपहृता को दिनांक 28.01.2026 को ग्राम दाउदनगर, जिला औरंगाबाद (बिहार) से सकुशल बरामद कर लिया गया है। अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना रॉबर्ट्सगंज पर दिनांक 06.08.2025 को पंजीकृत मु0अ0सं0-799/2025 धारा 137(2) बीएनएस में अपहृता (उम्र 17 वर्ष) के गुमशुदा होने के संबंध में विवेचना उ0नि0 अमित कुमार सिंह, चौकी प्रभारी कस्बा, थाना रॉबर्ट्सगंज द्वारा की जा रही थी। उच्चाधिकारीगण से प्राप्त निदेशों के क्रम में स्थानीय पुलिस, थाना अल्ळळ एवं रखढव शाखा द्वारा अपहृता के परिजनों के समन्वय से अथक प्रयास करते हुए अपहृता को दिनांक 31.01.2026 को ग्राम गोदापुर, थाना नगर नेवादा, जिला नेवादा (बिहार) से सकुशल बरामद किया गया। अग्रिम विधिक कार्यवाही थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा की जा रही है। दोनों अपहृता बालिकाओं की सकुशल बरामदगी से उनके परिजनों एवं क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है तथा पुलिस बल की भूरि-भूरि प्रशंसा की जा रही है।

प्रयागराज महाकुंभ 2025 सुरक्षा व्यवस्था के डीएसपी विपिन कुमार राय सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

मुंबई। विश्व के सबसे बड़े धार्मिक समागम महाकुंभ 2025, प्रयागराज के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उल्लेखनीय योगदान देने वाले एटीएस मुख्यालय, लखनऊ में तैनात पुलिस उपाधीक्षक विपिन कुमार राय को महाकुंभ सेवा मेडल से सम्मानित किया गया है। महाकुंभ 2025 के दौरान सुरक्षा प्रबंधन, अनुशासन बनाए रखने और अत्यंत संवेदनशील जिम्मेदारियों के कुशल निर्वहन में उनके उत्कृष्ट, समर्पित और अनुकरणीय कार्य को देखते हुए यह सम्मान प्रदान किया गया। उनकी प्रभावी रणनीति और सतर्क नेतृत्व के कारण आयोजन न केवल पूरी तरह सुरक्षित और सुव्यवस्थित रहा, बल्कि देश-विदेश में भी इसकी व्यापक सराहना हुई।यह सम्मान 25 मार्च 2025 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के करकमलों से प्रदान किया गया। इस अवसर पर सुरक्षा तंत्र से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इसे पुलिस बल के लिए गौरवपूर्ण और प्रेरणादायक उपलब्धि बताया।

कुढ़ा ने जीता DPL सीजन-6 फाइनल मैच

अमन लेखनी समाचार

नसीराबाद, राय बरेली. छतोह ब्लाक के अब्दूमऊ में चल रहे दर्दिया प्रीमियर लीग सीजन-6 का फाइनल मुकाबला कुढ़ा और असुरा गौरीगंज के मध्य खेला गया जिसमें कुढ़ा ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का निर्णय लिया। निर्धारित 10 ओवरों में कुढ़ा ने 04 विकेट पर 147 रन बनाए जिसका पीछा करते हुए असुरा गौरीगंज ने आखिरी ओवर में 08 विकेट पर 142 रन ही बना सकी। इस प्रकार कुढ़ा ने 6 रन से विजय हासिल कर ली। मैन ऑफ द मैच मो॰ सैफ, मैन ऑफ द सीरीज और बेस्ट क्रिकेटर शिवम को घोषित किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी अजय सिंह (प्रिंसू सिंह) ने विजेता टीम को 22000 और ट्राफी तथा उपविजेता टीम को 11000 तथा ट्राफी व मैन ऑफ द सीरीज एक साईकल व ट्राफी का पुरस्कार देकर सम्मानित किया। महफूज अहमद व माज खान के नेतृत्व में टूनार्मेंट का सफल आयोजन हुआ अंजनी त्रिपाठी, कुलदीप मौर्य, राजेश तिवारी, राजेन्द्र सिंह, प्रदीप तिवारी, गजेन्द्र सिंह, सेखू, फिरोज, इमरान, सुल्तान, उसामा, उमैर, पंकज मिश्रा, डा॰ नौसाद सहित लगभग 5000 दर्शकों को ने खेल का आनंद लिया। निर्णायक खुर्शीद आलम और मो॰ सद्दाम स्कोरर मो॰ सईद और कमेंटेटर गुड्डू सिंह, मो॰ जावेद ने सराहनीय भूमिका निभाई।

गोंगपा कार्यकर्ताओं ने जयंती पर संत शिरोमणि रविदास को किया याद

- धरना-प्रदर्शन के माध्यम से गोंगपा कार्यकताओं की समस्याओं का होगा निदानः एडवोकेट संतोष कुमार गौतम।
- विजयगढ़ दुर्ग पर आयोजित मेला, सामुहिक विवाह के साथ ही पंचायत चुनाव की तैयारियों पर बनी रणनीति।
- तेलगुड़वा स्थित पार्टी के जिला कार्यालय पर हुआ आयोजन।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (गोंगपा) द्वारा रविवार को तेलगुड़वा स्थित पार्टी के जिला कार्यालय संत शिरोमणि रविदास की जयंती धूमधाम से मनाई गई। मुख्य अतिथि गोंगपा उत्तर प्रदेश युवा मोर्चा अध्यक्ष एडवोकेट संतोष कुमार गौतम ने सर्वप्रथम संत शिरोमणि रविदास जी के चित्र पर माल्यार्पण किया, उसके बाद बारी-बारी से सभी कार्यकताओं ने पुष्पांजलि अर्पित किया। कार्यकताओं ने रविदास जी को याद करते हुए उनके मार्ग का अनुशरण करने का संकल्प दुहराया। मुख्य अतिथि गोंगपा के उत्तर प्रदेश युवा मोर्चा अध्यक्ष एडवोकेट संतोष कुमार गौतम ने कार्यकताओं को संगठित होकर कार्य करने पर जोर देते हुए कहा कि सरकार में शामिल होने के लिए एकजुटता जरूरी है। एससी/एसटी के लोगों के ऊपर आए दिन हो रहे अत्याचार और उत्पीड़न की घटनाओं पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि धरना-प्रदर्शन के माध्यम से ही अब गोंगपा कार्यकताओं की समस्या का निदान होगा। अध्यक्षता कर रहे गोंगपा के जिलाध्यक्ष रामनरेश पोया ने कहा कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी विजयगढ़ दुर्ग पर तीन दिवसीय विराट आदिवासी मेले का आयोजन 25 से 27 फरवरी 2026 तक किया गया है। इसमें आदिवासी कन्याओं का सामुहिक विवाह भी होगा। जिसकी तैयारी में अभी से कार्यकर्ता जुट जाएं, ताकि कार्यक्रम सकुशल सम्पन्न हो सके। उन्होंने पंचायत चुनाव के मद्देनजर भी कार्यकताओं को तैयारियों में जुटने का आह्वान किया है। इसी प्रकार अन्य वक्तताओं ने भी विभिन्न समस्याओं पर ध्यान आकृष्ट कराया है। कार्यक्रम का सफल संचालन जिला संगठन सचिव हीरालाल मरपच्ची ने किया।

इस मौके पर चन्द्रशेखर साहनी, ज्ञानी सिंह पोया, अयोध्या प्रसाद टेकाम, हीरालाल मरकाम, चंद्रदेव चेरो, अर्जुन चेरो, शरद कमरो, रामचंद्र टेकाम आदि पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जितेंद्र प्रजापति बने प्रजापति समाज के जिलाध्यक्ष

अमन लेखनी समाचार

गुरसराय। कसवा के विनीत गार्डन में रविवार को प्रजापति समाज के अध्यक्ष पद का चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा दक्ष प्रजापति जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। प्रजापति समाज के जिला अध्यक्ष पद हेतु आयोजित चुनाव कार्यक्रम की अध्यक्षता मुन्नालाल (परसुवा) ने की। चुनाव प्रक्रिया का संचालन चुनाव अधिकारी राजाराम लेखपाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष घनाराम प्रजापति, मूलचंद्र प्रजापति, नाथूराम, डालचंद्र, धर्मेंद्र, मडपुरा वाले अध्यापक, उत्तम कुमार फौजी, मुन्ना प्रजापति, यशपाल (सेमरी), जयप्रकाश सचदेवा, हरिओम प्रजापति, अवध बिहारी प्रधान (गाता) सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन शिवेंद्र प्रजापति (मलहेटा) द्वारा किया गया।कार्यक्रम में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष सुखनंदन प्रजापति एवं बुंदेलखंड उपाध्यक्ष रामनरेश प्रजापति विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे। चुनाव में समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। अध्यक्ष पद के लिए दो प्रत्याशी मैदान में थे, जिनमें शिवमोहन कृपात्री एवं जितेंद्र प्रजापति (भसनेह) शामिल थे। मतदान में कुल 178 मत प्राप्त कर जितेंद्र प्रजापति विजयी घोषित किए गए। चुनाव कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजनों सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे। संपूर्ण कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण में संपन्न हुआ।

अमृत सरोवर योजना चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट

कागजों में लहराया विकास का परचम —जमीन हकीकत पर उठे सवाल

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद, हरदोई। विकास खंड टोडरपुर क्षेत्र के गांव? उमरौली में सरकार की महत्वाकांक्षी अमृत सरोवर योजना का उद्देश्य गांवों में जल संरक्षण, भूजल रिचार्ज और रोजगार सृजन था, लेकिन जमीनी हकीकत इससे उल्टा दिखाई दे रही है। लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद सरोवर अधूरा हैं, साफ पानी की जगह, अमृत सरोवर में जलकुंभी व जिम्मेदार ने उच्च अधिकारियों की मिली भगत से मछली पालन कर हो रहा है क जो निर्माण गुणवत्ता और निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

यह मामला विकास खंड टोंडरपुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत उमरौली के मजरा सुंदरपुर में जागेश्वर धाम के पास स्थित अमृत सरोवर के नाम पर लाखों की सरकारी धन राशि पर चूना लगाया गया है क जहाँ स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि मानक के विपरीत घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया, मापदंडों को नजर अंदाज कर कागजों में कार्य पूर्ण दिखाया गया है क और दो बार भुगतान निकाल लिया गया है । नतीजतन, बरसात खत्म होते ही सरोवर दम तोड़ देते हैं। योजना के तहत मजदूरी और रोजगार देने का दावा हवा- हवाई, लेकिन फर्जी हाजिरी और काम के बिना भुगतान के आरोप भी उठ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शिकायतें करने पर जांच सिर्फ औपचारिकता बनकर रह जाती है, दोषियों पर कार्रवाई नही होती है। ग्रामीणों की मांग है कि अनियमितताएं करने वालों पर एफआईआर दर्ज कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो, और अधूरे सरोवर का पुनर्निर्माण कराया जाए। अन्यथा जल संकट से जूझते गांवों के लिए यह योजना राहत नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार का एक और उदाहरण बनकर रह जाएगी।

माघ पूर्णिमा के उपलक्ष्य में सीएचसी प्रभारी ने मरीजों को बांटी खाद्य सामग्री

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद, हरदोई। माघ पूर्णिमा के उपलक्ष्य में महिला परिषद द्वारा खाद्य सामग्री वितरण कार्यक्रम अखिल भारतीय सर्व वैश्य एकता महासभा महिला परिषद, शाहाबाद, हरदोई ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहाबाद, में डॉक्टर प्रवीण दीक्षित व डॉक्टर पारुल गुप्ता के सानिध्य में स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती मरीजों व उनके परिजनों को खाद्य सामग्री प्रदान कर उनका हाल जाना इस अवसर पर महिला परिषद के संरक्षक श्रीमती मीनू गुप्ता ,श्रीमती शशि गुप्ता ,श्रीमती विभा गुप्ता एवं श्रीमती अनीता गुप्ता के साथ अध्यक्ष पल्लवी ओमर उपाध्यक्ष श्रीमती रेनू गुप्ता महामंत्री श्रीमती प्रीति गुप्ता व रश्मि गुप्ता कोषाध्यक्ष श्रीमती शशि गुप्ता कला एवं संस्कृति मंत्राणी श्रीमती सरिता गुप्ता मीडिया प्रभारी मंजू गुप्ता संगठन मंत्राणी श्रीमती रुचि गुप्ता व कनिका गुप्ता ने मरीजों को खाद्य सामग्री वितरण की तथा सभी के उत्तम स्वस्थ की कामना की।

इस अवसर पर लखनऊ मंडल अध्यक्ष श्री महेन्द्र सिंह राणा भी उपस्थित थे और उन्होंने महिला परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रम की अपने विशेष के अंदाज में प्रशंसा की और भविष्य में भी इस तरीके के सामाजिक कार्यक्रम करवाने की मंशा जाहिर की । अंत में महिला परिषद की अध्यक्ष श्रीमती पल्लवी ओमर ने डॉक्टर पारुल गुप्ता एवं महिला परिषद की सशक्त पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया और बताया कि इस तरह के सामाजिक कार्यक्रम करने का उद्देश्य देश व समाज को उन्नत करने के साथ ही आत्म संतुष्टि का अनुभव करना भी है उन्होंने बताया कि राष्ट्र की सेवा करने के लिए सबसे पहले स्वास्थ्य नागरिकों का होना अनिवार्य हैं स्वस्थ नागरिक ही स्वस्थ मस्तिष्क के साथ देश सेवा में अपना योगदान दे सकता है।

बड़ी ही विडम्बना है कि एक ओर अस्पताल परिसर में डॉक्टरों द्वारा जनसहयोग की बड़ी बड़ी बातें की जाती है और दूसरी ओर जनस्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले प्राइवेट अस्पतालों में लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ किया जाता है जिसकी महज कागजों खानापूर्ति कर कच्छ एक दिनों बाद फिर लोगों के साथ खिलवाड़ करने के लिए स्तंत्रता प्रदान कर दी जाती है?

भव्य कलश यात्रा के साथ बुंदेलखंड कुरैठा महोत्सव का हुआ शुभारंभ

अमन लेखनी समाचार

गरौठा। दिव्य प्रेम सेवा मिशन हरिद्वार के सेवा प्रकल्पों को समर्पित बुंदेलखंड कुरैठा महोत्सव का रविवार को भव्य कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हो गया। यह महोत्सव श्री श्री 1008 नावली सरकार धाम प्रांगण मे 1 फरवरी से 10 फरवरी तक चलेगा जिसमें यज्ञाचार्य पंडित श्री ज्ञानेंद्र जी शास्त्री अयोध्या धाम के सानिध्य मे श्री विष्णु महायज्ञ, पूज्य साधना श्रीजी (देवी महेश्वरी) के मुखारविन्द से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा रात्रि मे रामलीला व कवि सम्मेलन भी होगा। इस दौरान मंदिर प्रांगण विशाल मेला भी लग रहा है। 10 फरवरी को कन्या विवाह एवं विशाल भण्डारे का आयोजन किया जायेगा। बुंदेलखंड की जीवन दायिनी माँ वेतवा गंगा नदी से जल भरकर कुरैठा श्री राम मंदिर से श्री नावली सरकार मंदिर तक डी जे, गाजे बाजे के साथ नाचते हुए भव्य कलश यात्रा निकाली गयी जिसमे सैकड़ो श्रद्धालु महिलाये सिर पर कलश लेकर पैदल चलती नजर आयी। कार्यक्रम मे पुलिस की भी चाक चौबंद व्यवस्था देखने को मिली ।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉक्टर जगदीश सिंह चौहान, गरौठा विधायक जवाहरलाल राजपूत, केशव सिंह परिहार, बद्रीप्रसाद त्रिपाठी, सुनील चौहान राजू सेंगर, चंद्रभान अहिरवार एवं अन्य अतिथिगण मौजूद रहे।

यूजीसी का दमदार विरोध युवाओं में दिखा आक्रोश

अमन लेखनी समाचार

हरपालपुर, हरदोई। कस्बे में रविवार को यूजीसी के नए नियमों को लेकर युवाओं का जबरदस्त आक्रोश देखने को मिला। युवाओं ने गेस्ट हाउस में बैठक करने के बाद पलिया तिराहे से लेकर ककरा तिराहे तक पैदल मार्च निकाला। इस दौरान युवाओं ने केंद्र सरकार और यूजीसी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पैदल मार्च करते हुए युवाओं का हुजूम ककरा तिराहे पर पहुंचा, जहां वे धरने पर बैठ गए। युवाओं का कहना है कि यूजीसी द्वारा साल 2026 में लागू किए गए 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी' नियम भेदभावपूर्ण हैं। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि इन नियमों में सामान्य वर्ग के छात्रों की सुरक्षा को लेकर कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है और इनकी परिभाषाएं इतनी उलझी हुई हैं कि भविष्य में इनका दुरुपयोग हो सकता है। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे नायब तहसीलदार देशराज गौड़ को युवाओं ने डॉक्टर रजनीश कुमार त्रिपाठी प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई है कि एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाकर इन नियमों की दोबारा समीक्षा की जाए और जब तक जांच पूरी न हो, तब तक इन्हें लागू न किया जाए। युवाओं ने दो टूक कहा कि उनका उद्देश्य किसी वर्ग का विरोध करना नही, बल्कि सभी के लिए समान न्याय सुनिश्चित कराना है।

भीम सेना 8 मार्च को भरेगी हुंकार, एडवोकेट भीमराव गौतम

अमन लेखनी समाचार

आज डॉ भीमराव सामाजिक सेवा समिति भीम सेना की बैठक मुख्यालय परमानपुर, जिगना, मीरजापुर में सम्पन्न हुआ जिसमे भीम सेना के संस्थापक, राष्ट्रीय अध्यक्ष, एडवोकेट भीमराव गौतम ने संत शिरोमणि सतगुरु रविदास जी की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके उनके विचारों का अनुसरण किया और साथ ही साथ सामाजिक संगठन भीम सेना लगभग दो वर्षों से लगातार बहुजन समाज के साथ ही साथ अन्य समुदाय के गरीब, शोषित, पीड़ित, वंचित समुदाय की आवाज को सड़क से लेकर सदन तक जनांदोल (घेराव) करके इनकी समस्याओं को संवैधानिक तरीके से समाधान कराने का काम कर रही है और इसके साथ ही साथ बहुजन समाज के महापुरुषों के विचारों को भी जन जन तक पहुंचाने का काम कर रही है जो 8 मार्च 26 दिन रविवार स्थान बिहसडा, जिगना, मीरजापुर में भीम सेना द्वितीय स्थापना दिवस व विश्व महिला सम्मान दिवस समारोह मनाने जा रही है जिसमे भीम सेना के कार्यकर्ता/पदाधिकारी के साथ ही साथ अन्य जिले व प्रदेश के सामाजिक बहुजन चिंतक व प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल होंगे विशेष रूप से राघवेंद्र प्रताप, सूबेदार यादव, एडवोकेट रविचंद गौतम, अनीता गौतम, रेखा देवी, सुनील कुमार गौतम, रोहित कुमार गौतम, अमरजीत गौतम, सुभाष चंद गौतम, राजेश वर्मा, श्रवण बिंद, शुभम पासी, महेंद्र कुमार, रामआसरे गौतम, छेदीलाल आदि उपस्थित थे

गुढ़ा में धूमधाम से मनाई गई संत रविदास जयंती

अमन लेखनी समाचार

गरौठा। ग्राम गुढ़ा में भक्तों द्वारा धूमधाम से संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती मनाई गई। निमार्णाधीन संत रविदास मंदिर पर पूजन अर्चन कर आरती उतारी गई। ग्राम प्रधान चन्द्रभान सिंह परमार ने संत रविदास को पुष्पांजलि अर्पित कर आरती उतारी। ग्राम प्रधान ने इस अवसर पर कहा कि संत रविदास जी ने निर्गुण भक्ति मार्ग पर चलकर मानवता को सबसे बड़ा धर्म तथा मन की शुद्धता को असली तीर्थ मानकर मन चंगा तो कठौती में गंगा जैसी कहावत को चरितार्थ किया। कार्यक्रम में कन्या भोज व भण्डारे में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया इस मौके पर संतराम नेता, बृजकिशोर चौधरी, रवि चौधरी, हरीदास बाबा, सुनील चौधरी, बृजेश गौतम, ठाकुरदास , सत्यप्रकाश, नीरज, छन्नू चौधरी, आलम मुखिया समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में रवि चौधरी ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews @gmail.com

दुनिया की भीड़ में क्यों बढ़ रहा है अकेलापन

देश-दुनिया की आबादी भले ही दिनों-दिन बढ़ रही हो, लेकिन इसके उलट लोगों का अकेलापन भी बढ़ रहा है। अकेलेपन की समस्या विश्वव्यापी है। भारत समेत अनेक देशों के लोग इस समस्या का सामना कर रहे हैं। अकेलेपन का हमारे स्वास्थ्य ही नहीं पूरे जीवन पर दुष्प्रभाव पड़ता है। ऐसे में यह बहुत जरूरी है कि इसके कारणों को जाना जाए और इसे दूर करने का हर संभव प्रयास किया जाए।

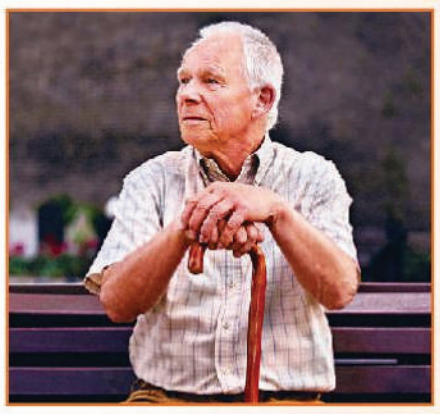

कवर स्टोरी

एस. भाग्यम शर्मा

यह सही है कि दुनिया में आठ अरब से अधिक और हमारे अपने देश में 140 करोड़ से अधिक लोग रहते हैं। लेकिन दुख की घड़ी में शायद ही एक कंधा ऐसा मिले, जिस पर सिर रखकर हम रो सकें। सोशल मीडिया पर भले ही हमारे हजारों दोस्त होंगे, फॉलोअर्स होंगे, लेकिन असल जिंदगी में एक भी हमारे साथ नहीं होता। यानी आज लोगों की भीड़ में भी हर कोई खुद को अकेला महसूस कर रहा है।

स्वास्थ्य के लिए हानिकारक

अगर कोई शारीरिक बीमारी हो तो इसका असर दूसरों को नजर आता है। अकेलेपन का दुष्प्रभाव धूम्रपान और मोटापे की तरह शरीर पर नजर नहीं आता है। दरअसल, अकेलापन हमारे मन को बीमार बना देता है। अकेलापन एक दिन में 15 सिगरेट पीने से भी ज्यादा खतरनाक असर हमारे स्वास्थ्य पर डालता है।

अकेलापन समय से पहले मृत्यु के खतरे को 25% तक बढ़ा देता है। अकेलेपन से ब्रेन स्ट्रोक और हृदय रोग का खतरा 30% तक बढ़ता है। यह डिमेंशिया के खतरे को 50% तक बढ़ा देता है, इसलिए यह बहुत आवश्यक है कि समय रहते अकेलेपन की इस बीमारी को पहचान लें और यह जानें कि कहीं आप भी अकेलेपन के अंधेरे में खोते तो नहीं जा रहे हैं।

दुनिया भर में लोग हैं परेशान

वर्ष 2023 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अकेलेपन को एक वैश्विक स्वास्थ्य संकट घोषित किया था। अकेलेपन को परिभाषित करते हुए डब्ल्यूएचओ ने कहा था कि अकेलापन व्यक्ति की अपनी भावनात्मक पीड़ा है, जो सामाजिक अलगाव और सार्थक रिश्तों की कमी से पैदा होती है। आज के दौर में अकेलापन दुनिया भर में एक गंभीर बीमारी का रूप ले चुका है। जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में कई लोग इस कदर अकेले हो चुके हैं कि अगर उनकी मृत्यु भी हो जाए तो कई-कई दिनों तक बाहरी दुनिया को उनकी मौत के बारे में पता ही नहीं चलता।

वहां से आई खबरों के अनुसार पिछले साल जापान में करीब 76,000 लोगों की उनके घर में अकेले रहते हुए मौत हुई। 4,000 लोग ऐसे थे, जिनके मरने के करीब एक महीने के बाद बाहर के लोगों को उनकी डेड बॉडीज मिलीं। जापान में तो अकेलेपन को दूर करने के लिए ज्यादा उम्र के लोग कई बार जान-बूझकर अपराध करने के लिए भी तैयार हो जाते हैं, जिससे उन्हें सजा मिले और सजा के बाद वे जेल में दूसरे लोगों से मिलकर कुछ बातचीत कर सकें, उनका अकेलापन दूर हो, उनका मन लग सके।

बढ़ रहे हैं एकल परिवार

भारत में भी अकेलापन तेजी से फैल रहा है। इसकी मुख्य वजह है भारतीय समाज में टूटते संयुक्त परिवार। पहले के दौर में हमारे घर-परिवार में साथ रहने वाले अपने माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी के साथ हम अपना सुख-दुख शेयर कर लिया करते थे। लेकिन अब वह दौर नहीं रहा। अब संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवारों ने ले ली है, जहां परिवार में पति-पत्नी ही रहते हैं। कई कपल तो बच्चे तक पैदा नहीं करना चाहते। बच्चे इसलिए नहीं पैदा करना चाहते, क्योंकि वे जानते हैं कि अगर बच्चे हुए तो उनकी देखभाल करने वाला परिवार में कोई नहीं है। महानगरों में 'ड्यूल इनकम-नो किड्स' का चलन बढ़ रहा है।

बढ़ती सामाजिक दूरी भी है वजह

पिछली सदी तक हम सब अनजान लोगों से भी बातचीत कर लिया करते थे। कोई रास्ता पूछता था तो बड़े मन से उसे रास्ता बताते, कई बार तो उन्हें उनके गंतव्य तक छोड़ कर आ जाते थे। बाजार जाते तो किराने की दुकान या सब्जी की दुकान पर दुकानदार से बातचीत कर लिया करते थे। अड़ोसी-पड़ोसी से उनका हाल-चाल पूछ लिया करते थे। चाय की दुकानों पर जाने-अंजाने लोग भी खूब बतियाते थे। लेकिन अब ऑनलाइन शॉपिंग के बढ़ते ट्रेंड से लोगों का बाजार आना-जाना भी बहुत कम हो गया है। सब इतने व्यस्त हो गए हैं कि किसी के पास समय ही नहीं रह गया है, एक-दूसरे की खबर लेने का।

बच्चे-युवा भी हो रहे प्रभावित

2021 के ग्लोबल सर्वे के मुताबिक, अकेलेपन से प्रभावित होने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश भारत है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत के शहरों में 43% लोग अकेलापन महसूस करते हैं। चिंताजनक बात यह है कि 13 से 15 साल की उम्र के 25% बच्चे भी अकेलापन अनुभव कर रहे हैं। सोशल मीडिया की वजह से भी अकेलापन तेजी से बढ़ रहा है। कई स्टडीज में सामने आया है कि सोशल मीडिया की लत, युवाओं में अलगाव, अकेलापन और डिप्रेशन को बढ़ा रही है।

मशीनी हो रही भावनाएं

अकेलापन इसलिए भी बढ़ रहा है कि लोग एक-दूसरे के साथ अपनी भावनाएं साझा नहीं करते हैं। सोशल मीडिया में कोई इमोजी भेजकर खुद को दायित्वमुक्त समझ लेते हैं। आजकल लोगों को लगता है कि भावनाओं को व्यक्त करने के लिए किसी की आंखों में आंख डालने की जरूरत नहीं है। किसी का हाथ थामने की जरूरत नहीं है। लोगों को लगता है कि भावनाओं को व्यक्त करने के लिए इमोजीज भेजना ही पर्याप्त है। यानी जब हम दुखी महसूस करते हैं तो हमारे साथ किसी की वास्तविक भावनाओं के स्थान पर ढेरों इमोजीज होते हैं।

अकेलापन दूर करने का करें प्रयास

हमें बचपन से ही सिर्फ यह सिखाया जाता है कि सफलता ही खुशी का सबसे बड़ा पैमाना है और जीवन में हर कीमत पर सफल होना सबसे जरूरी है। जो सफल है, वह खुश भी रह लेगा। हमें रिश्तों की अहमियत नहीं सिखाई जाती। सफलता और अधिक से अधिक पैसा, सुख-सुविधाएं अर्जित करने की अंधी दौड़ में ज्यादातर लोग अपने रिश्तों को पीछे छोड़ देते हैं। जाहिर है, इससे जीवन में अकेलापन आएगा ही। अकेलापन किसी सफलता से या दौलत कमाने से या शानदार करियर से नहीं, अपनों के साथ होने से दूर होता है। इसलिए अगर आप भी अकेलापन महसूस करते हैं तो सोशल मीडिया पर ही नहीं अपने दोस्तों, रिश्तेदारों से मिलने उनके घर जाइए, उन्हें अपने घर बुलाइए। परिवार के साथ समय बिताइए। अंजान लोगों से भी बात करने में न हिचकिचाइए। यही नहीं अगर आपके परिवार में या आस-पास कोई ऐसा व्यक्ति है, जो अकेलापन महसूस कर रहा है तो उससे बात कीजिए। उसके अकेलेपन को दूर करने का प्रयास कीजिए। जरूरत पड़ने पर काउंसलर की मदद भी ले सकते हैं। ऐसा करने से उस व्यक्ति का अकेलापन तो दूर होगा ही, आपको भी आत्मीय खुशी, संतुष्टि मिलेगी। *

कई देशों में हो रही नई पहल

अकेलेपन की समस्या से निपटने के लिए अलग-अलग देशों में अब कई तरह की पहल की जा रही है। जैसे दक्षिण कोरिया में बुजुर्गों के लिए हैप्पी कैब्स चलाई जा रही हैं। यह एक कैब सर्विस है, जिसमें बुजुर्ग लोग अंजान लोगों के साथ बैठकर घूमने जा सकते हैं। उनसे बातचीत कर सकते हैं, अपने सुख-दुख साझा कर सकते हैं। इससे उन्हें अपना अकेलापन दूर करने में मदद मिलती है। इसी तरह अकेलेपन की समस्या के समाधान को तलाशने के लिए ब्रिटेन ने वर्ष 2018 में ही लोनलीनेस मिनिस्टर की नियुक्ति शुरू कर दी थी। एक अलग मंत्रालय, एक अलग मंत्री, जो सिर्फ यह देखेगा कि देश में लोगों के अकेलेपन को कैसे दूर किया जा सकता है? वहां अकेलेपन से जूझ रहे लोगों को काउंसिलिंग और मेडिकल सपोर्ट उपलब्ध कराए जाते हैं।

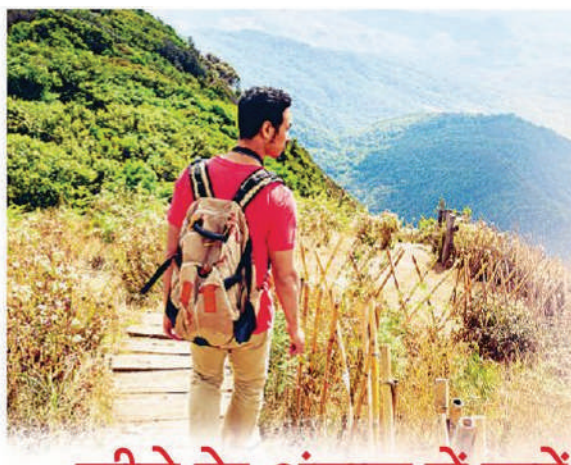

जिंदगी को खुशमिजाज बनाना हमारे ही हाथों में होता है। अगर हम अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ बदलाव कर लें, कुछ आदतों को शामिल कर लें तो हमारी जिंदगी खुशमिजाज बन सकती है। ऐसा किस तरह हो सकता है, जानिए।

जीने के अंदाज में करें बदलाव खुशमिजाज हो जाएगी जिंदगी

लाइफस्टाइल

शिखर चंद जैन

हमारा दिमाग ही हमारी सोच और नजरिए का स्रोत होता है। जब दिमाग अशांत या उद्वेलित रहता है तो हमें हर चीज में उथल-पुथल, नकारात्मकता और बुराई नजर आती है। लेकिन जब दिमाग शांत रहता है, हम खुशमिजाज रहते हैं तो हमें हर चीज सकारात्मक अच्छी और सही लगती है। खुशमिजाजी और सुकून के लिए कुछ बातें और आदतें अपनानी जरूरी हैं।

लोगों से बनाए अच्छे संबंध

भले ही सबको खुश रखना दुनिया का सबसे कठिन काम है लेकिन सबके साथ खुश रहना दुनिया का सबसे आसान काम है। हार्वर्ड स्टडी ऑफ एडल्ट डेवलपमेंट के डायरेक्टर और मनोचिकित्सक रॉबर्ट वालडिंगर का कहना है कि लोगों के साथ मजबूत और मधुर संबंध खुशी की प्रमुख वजह बन सकते हैं। ये लोग रोमांटिक पार्टनर, आपके दोस्त, बच्चे, सहकर्मी, पड़ोसी, रिश्तेदार या भाई-बहन कोई भी हो सकते हैं। भले ही हम सब स्वतंत्रता को खास मानते हों, लेकिन यह ना भूलें कि हम सब एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं। जब हम अपने इर्द-गिर्द मौजूद लोगों के साथ अच्छे संपर्क रखते हैं तो मानसिक खुशी तो मिलती ही है, एक बड़ा सपोर्ट सिस्टम भी मिलता है, जो हमें हर तरह से सुकून देता है।

अजनबियों से करें बातचीत

ओटावा (कनाडा) की कार्लटन यूनिवर्सिटी के मनोविज्ञानी जॉन जेलवेंसकी कहते हैं कि आपको एक्सट्रोवर्ट होना चाहिए। अंतर्मुखी, गंभीर और चुप्पी साध कर रहने वाले लोग उदास रहते हैं, जबकि सबसे आसानी से घुल-मिल जाने वाले और अजनबी लोगों से बातचीत करने की कला जानने वाले अकसर खुशमिजाज रहते हैं। साथ ही ऐसे लोग आसानी से अपना सोशल सर्किल और बिजनेस सर्किल भी बढ़ा लेते हैं, जिससे इन्हें सफलता मिलती है। जाहिर है, सफलता भी खुशी मिलने की एक महत्वपूर्ण वजह है।

पालतू के साथ समय बिताएं

वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए एक ताजा अध्ययन में पाया गया कि पालतू जानवर के साथ बिताया गया 10 मिनट का समय भी दिमाग को सुकून देने वाला होता है। इससे कार्टिसोल नामक स्ट्रेस हार्मोन का स्तर गिरता है। अमेरिकी नागरिकों द्वारा किए गए एक शोध में पाया गया कि सबसे ज्यादा सुकून देने वाले पालतू कुत्ते होते हैं।

कुदरत को निहारें

यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के शोधकर्ताओं ने 90 स्टूडेंट्स पर किए गए शोध में पाया कि कुदरत को निहारना मन को सुकून देने वाला एहसास होता है। जब हम पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं को निहारते हैं तो हमारा ध्यान परेशानियों से हटकर पूरी तरह उन्हीं पर लग जाता है। इससे दिमाग को सुकून मिलता है।

फल-सब्जी ज्यादा खाएं

सोशल साइंस एंड मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित ताजातरीन स्टडी रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रचुर मात्रा में फल और सब्जी खाने से खुशमिजाजी और सुकून मिलता है। इसलिए रोज कच्ची सब्जियों का सलाद और फल खाएं। सबसे बड़ी बात यह है कि अगर आप खान-पान, आराम और सोने का समय निर्धारित कर लेते हैं तो आपका हैप्पीनेस लेवल बढ़ जाता है। न्यूट्रीशन, एक्सरसाइज और रेस्ट, खुशी के मूल मंत्र हैं।

वाटर बॉडीज के पास जाएं

जर्नल आफ एनवॉयर्नमेंटल साइकोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि पानी के संग्रह स्थल नजदीक रहने से लोगों में पॉजिटिव इमोशंस का संचार होता है। स्विमिंग पूल, समुद्र या नदी के किनारे खड़े होकर पानी की हलचल को निहारना सुकून देता है। इससे स्ट्रेस लेवल भी कम होता है। *

इन पर भी करें अमल

जीवन के हर आयाम को बराबर समय देने की कोशिश करें, जैसे- परिवार, व्यापार, मित्र, जीवनसाथी, समाज आदि क्षेत्रों में सक्रिय रहें। हंसी-मजाक करें, लेकिन दूसरों का मजाक ना उड़ाएं। कई बार इससे स्थिति बिगड़ जाती है और तनाव का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा नए अनुभवों पर पैसा और समय खर्च करें। उन कार्यों को करें, जो आपने कभी नहीं किया और देखा। जैसे हॉर्स राइडिंग करना, घुड़दौड़ देखना, अंडरवाटर स्पोर्ट देखना या इसमें शामिल होना, थिएटर में जाकर नाटक देखना, किसी बर्फीले स्थान की यात्रा करना आदि।

व्यंग्य

अंशुमान खरे

गणित में बचपन से ही हम बगैर होशियार होकर भी होशियार थे। न मालूम गणित के मास्साब कहां-कहां से सवाल लाते थे, लेकिन पिटते-पिटाते किसी तरह गणित में पास कर दिए जाते थे। घर वालों की तमन्ना डॉक्टर, इंजीनियर बनाने की थी। कक्षा में हमेशा अपराधी की तरह बैठे रहते थे। गणित के गुरु जी हमेशा हमें अंतरराष्ट्रीय गणितज्ञ बनाने का मजाक करते रहते थे। पर हमें कुछ भी समझ नहीं आता। हमारे गणित के गुरु जी फिरकी लेते थे कि मुझे भगवान भी नहीं समझा सकते। गणित की क्लास हमारे लिए आफत से कम नहीं थी। मास्साब के सवाल भी माशाअल्लाह अद्भुत होते थे। एक औरत एक काम को चार घंटे में पूरा कर लेती है तो बताओ उसी काम को आठ औरतें कितने समय में पूरा करेंगी? मैं कहता, 'आठ औरतें काम तो पूरा कर नहीं पाएंगी। हां, रायता जरूर फैला देंगी।'

सवाल से सवाल निकालने की कला में हमारे मास्साब का कोई सानी नहीं था। कपड़े पर अटक गए तो उसी से जुड़े सवाल पर सवाल पूछने लगते, 'बताओ बच्चो, अगर एक साड़ी धूप में एक घंटे में सूखती है तो चार साड़ियां सूखने में कितना समय लेंगी?'

बहुत सरल सवाल सोचकर मैं हाथ उठाकर बोल पड़ा, 'वेरी सिंपल, चार घंटे।' मास्साब जवाब सुनकर आपे से बाहर हो गए। मैं समझ नहीं पा रहा था, मास्साब को सीधा-सा गुणा करना नहीं आता क्या?

मैंने हिम्मत करके एक सवाल पूछ लिया, 'गुरु जी, अगर एक गांव में एक गाय है और वह दो लीटर दूध देती है तो बताइए गांव वाले चालीस-चालीस लीटर दूध बाहर कैसे सप्लाई करते हैं?' मास्साब का माथा ठनका और तमतमा कर क्लास से बाहर चले गए। मेरा सवाल अनुत्तरित रह गया। मेरे सवाल पर क्लास में चर्चा होने लगी। सब हैरान। प्रश्न तो उचित है। मास्साब नाराज क्यों हो गए? गणित के मास्साब का वैसे भी स्कूल में काफी जलवा था। प्रधानाचार्य से लेकर सभी अध्यापक और छात्र उनको आदर की दृष्टि से देखते थे। दूध की सप्लाई का सवाल गणित के मास्साब के गले की फांस बन गया। कुछ दोस्तों ने कहा, 'पानी मिला लेते होंगे।'

पर इतना पानी मिलाकर दूध रह ही नहीं पाएगा। सब पानी-पानी हो जाएगा।

मास्साब इस बात को पता लगाने में जी-जान से जुट गए कि इस प्रश्न को किसके इशारे पर उनसे पूछा गया है। यह किस अध्यापक की साजिश है, पता लगाना जरूरी है। गणित के मास्साब को पहली बार किसी सवाल पर नर्वस होते देखा। इसलिए मैं बार-बार उनसे इस प्रश्न को पूछता रहा। मास्साब को भी समझ नहीं आ रहा था कि कौन-सा फार्मूला लगाएं कि दो लीटर दूध बराबर चालीस लीटर दूध हो जाए। कुछ तो गड़बड़ है। इस तरह के सवाल किसी किताब में नहीं होते हैं। मास्साब मेरे प्रश्न में उलझते जा रहे थे। मैं उनकी तरफ आशाभरी दृष्टि से टकटकी लगाकर धैर्य से देखता रहता था।

मेरे प्रश्न को दूर-दूर तक पहुंचाया गया। कहीं से समस्या का समाधान निकले। प्रधानाचार्य जी ने ऐसा गांव पहचाना, जहां के लोग दो लीटर दूध से चालीस लीटर दूध बनाने में सफल हुए हैं। उन्होंने गांव के लोगों को सम्मानित करने की योजना बनाई। गांव के प्रधान गांव को सम्मानित करने के नाम से उत्साहित दिखे। ऐसे प्रतिभाशाली लोगों की ओर सबका ध्यान खींचने के लिए मुझे भी मालाओं से लाद दिया गया। क्षेत्र के विधायक, सांसद, सभी ने गांव को सम्मानित करने में रुचि दिखाई। श्वेत क्रांति के लिए पूरे गांव के लोगों को बधाई देने वालों का तांता लग गया। शासन, प्रशासन ने भी गांव को सम्मानित करने के सुर में सुर मिला दिया। जिलाधिकारी से लेकर सारे कर्मचारी मुस्तैदी से सम्मान समारोह की तैयारी में जुट गए हैं। लेकिन मैं और गणित के मास्साब प्रश्न अनुत्तरित रहने से चिंतित हैं। हम दोनों शून्य में उत्तर खोजने की कोशिश कर रहे हैं। दुग्ध क्रांति की गुत्थी उलझती जा रही है। सुना है कि गांव के सम्मान समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री भी आएंगे और ऐसी प्रतिभाओं को सम्मानित करेंगे, जो दो लीटर दूध से चालीस लीटर दूध सप्लाई करने का 'हुनर' जानते हैं। *

गणित के मास्साब को पहली बार किसी सवाल पर नर्वस होते देखा। इसलिए मैं बार-बार उनसे इस प्रश्न को पूछता रहा। मास्साब को भी समझ नहीं आ रहा था कि कौन-सा फार्मूला लगाएं कि दो लीटर दूध बराबर चालीस लीटर दूध हो जाए। कुछ तो गड़बड़ है।

प्रतिभा सम्मान

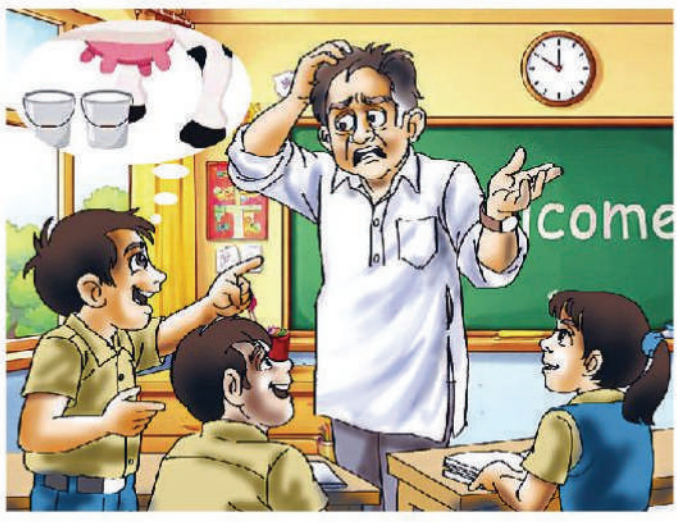

लघुकथा / निशा भास्कर

छांव से दूर

अस्पताल जाते समय सड़क की भीड़ और अब वहां सैकड़ों की संख्या में कतारबद्ध खड़े लोगों को देखकर बाबूजी बोले, 'महानगरों के सड़कों पर दौड़ती-हांफते वाहनों के साथ, यहां का आम जीवन थरथराते हुए गुजरता है।'

'राजधानी में अच्छी सुविधा मिलेगी, यह सोचकर सभी राज्यों से लोग आकर यहां बसना चाहते हैं और बसते भी हैं, इसलिए भीड़ तो होगी ही।' बाबूजी की ओर देखकर मयंक धीरे से बोला। बाबूजी बड़ी मुश्किल से इलाज के लिए अपना घर और गांव छोड़कर अपने बेटे मंयक के पास इस महानगर में आए थे। कहीं बाबूजी गांव वापस जाने की जिद न करने लग जाएं, यह ख्याल आते ही मयंक बोला, 'बाबूजी एक बार आपका अच्छी तरह से इलाज हो जाए बस और हमें क्या चाहिए!' 'अरे बेटा! मुझे लगता है यहां तो हम और भी बीमार हो जाएंगे। स्वस्थ क्या खाक होंगे?' कहकर वे तेज-तेज खांसने लगे। उनकी आंखें भी लाल हो गईं। मयंक ने घबराकर इधर-उधर देखा। अस्पताल का प्रतीक्षालय पूरी तरह से भरा हुआ था। एक भी सीट खाली नहीं थी, जहां बाबूजी को वह बैठा सके। एक व्यक्ति जो उसी की तरह दिख रहा था। मयंक ने उसे आग्रहपूर्ण नजरों से देखा। उस व्यक्ति ने खड़े होकर बाबूजी को बिठाने का इशारा किया। मयंक ने बाबूजी को बिठाया और दोनों हाथ जोड़कर उस व्यक्ति का आभार व्यक्त किया और बाबूजी से बोला, 'मैं अभी आया।' फिर वह शीघ्रता से अस्पताल से बाहर निकल गया। थोड़ी ही देर में पानी की बोतल लेकर आया और बाबूजी को पानी पिलाकर बोला, 'आप चिंता न करें, हम जिस डॉक्टर से दिखाने के लिए आए हैं, उनका बहुत नाम है। उनके इलाज से कितना भी पुराना रोग, ठीक हो जाता है।' बाबूजी, बेटे की बात सुनकर बोले, 'अरे! यह तो बुढ़ापे का रोग है। खांसना-खंखारना तो लक्षण है, बुढ़ापे का। लेकिन बेटा, मेरी एक बात ध्यान से सुन, यह शहर बड़ा है, डॉक्टर बड़ा है पर हम तो बड़े लोग नहीं हैं न! बड़ा शहर और इसकी सुविधाएं बड़े लोगों के लिए होती हैं। हम इनके फोटो देखकर अपने से झूठ बोलते हैं कि मैं भी इसका हिस्सा हूं। पर हमारी इतनी औकात नहीं है।' मयंक की आंखें गीली हो गईं। वह बोला, 'सच कह रहे हैं बाबूजी! बीस साल की नौकरी में क्या ही कर लिया मैंने? आज तक बीवी बच्चों को इस शहर में एक छत भी न दे सका।' बेटे को इस तरह उदास देखकर बाबूजी उसके सिर पर हाथ रखकर बोले, 'बेटा हम अपने गांव चलेंगे। वहीं के अंग्रेजी स्कूल में मेरी पोती पढ़ेगी और मैं अपने बड़े से आंगन में नीम की छांव तले बैठकर उसके साथ खेलूंगा और' तभी नर्स ने टोकन नंबर बहत्तर रामजस को आवाज दी। मयंक बाबूजी का हाथ थाम कर बोला, 'चलिए बाबूजी, अपना नंबर आ गया।' *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

अलग मिजाज की कहानियां

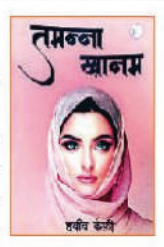

वरिष्ठ कथाकार हबीब कैफी की चुनी हुई सत्रह कहानियां 'तमन्ना खानम' पुस्तक में प्रकाशित हुई हैं। करीब साढ़े पांच दशक के कालखंड में लिखी गई ये कहानियां, हमें समाज के अलग-अलग तबके से ताल्लुक रखने वाली स्त्रियों की जिंदगी से रूबरू कराती हैं। कहीं पुरुषत्व के दंभ से दमित लेकिन फिर भी उसके साथ रहने को विवश भंवरी नजर आती है (औरत), तो कहीं गणिकाओं के जीवन की त्रासदी भोगती मरजीना की कराह सुनाई पड़ती है (मरजीना)। 'तमन्ना खानम' कहानी में उच्च वर्ग की महिला तमन्ना को अपनी जिंदगी की पेचीदगियों को अपने अंदाज में सुलझाते देखा जा सकता है। बहुत अलग मिजाज की ये कहानियां, कहीं-कहीं उर्दू के मशहूर कथाकार मंटो की याद दिलाती हैं। इन कहानियों में भाषा की रवानगी भी देखने लायक है। *

पुस्तक: तमन्ना खानम (कहानी संग्रह), **लेखक:** हबीब कैफी, **मूल्य:** 299 रुपए, **प्रकाशक:** कौटिल्य बुक्स, नई दिल्ली